दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 3 | अंक: 83 | जयपुर, शनिवार, 02 मार्च, 2024 | फाल्गुन, कृष्ण पक्ष- सप्तमी, विसं 2080 | पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

जरूरी खबर

Paytm बैंक पर लगाया ₹5.49 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली। पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर सरकार की ओर से पहली बड़ी कार्रवाई की गई है। वित्त मंत्रालय की वित्तीय खुफिया इकाईने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर 5.49 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। एक बयान में वित्त मंत्रालय ने कहा कि FIU-IND ने कुछ अहम जानकारी के आधार पर पेटीएम पेमेंट्स बैंक की समीक्षा शुरू की। FIU को केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी से जो जानकारी मिली उसके मुताबिक ऑनलाइन गैम्बलिंग को ऑर्गेनाइज करने के अलावा सर्विस प्रोवाइड करने सहित कई अवैध काम में लिप्त कुछ संस्थाओं ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक से ट्रांजैक्शन किए हैं। इसके बाद FIU ने जांच के आधार पर समीक्षा शुरू की और अब पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर जुर्माना लगाया गया है।

कॉमर्शियल LPG गैस सिलेंडर 25 रुपए महंगा

नई दिल्ली। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने मार्च महीने की शुरुआत के साथ ही कॉमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम में 25 रुपए 50 पैसे की बढ़ोतरी कर दी है। इसके बाद जयपुर, दिल्ली, मुंबई सहित कई शहरों में शुक्रवार से एलपीजी सिलेंडर महंगा हो गया है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में इजाफा किया है।

ये भी देखें...

देर रात त्रिमूर्ति सर्किल पर सड़क हादसा
पेज-3

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 96640 14179
+91 97830 45155
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं।

प्रदेश के पूर्व सीएम अशोक गहलोत नए घर 'बंगला नंबर 49' में हुए शिफ्ट... मीडिया से बोले पूर्व सीएम...

सीएम भजनलाल ने कभी नहीं बोला कि 'बंगला खाली करो'

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कांग्रेस छोड़ने वाले नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि जिनको जाना है, जल्दी जाओ। कृपया करके जल्दी से चले जाएं, क्योंकि देरी करने से हम कंफ्यूज हो जाते हैं। हमारा कंफ्यूजन दूर कर दें कि जाना चाहता हूं, मन नहीं लग रहा है। या मेरे ऊपर दबाव है। ईडी का है, सीबीआई का है। कुछ मजबूरियां हैं। जयपुर स्थित अपने आवास पर मीडिया से बात करते हुए गहलोत ने कहा कि किसी की कोई मजबूरी है तो हम क्या कर सकते हैं। जबरदस्ती रोकना उचित नहीं है। मेरा मानना है कि जितने लोग जा भी रहे हैं तो नई पीढ़ी तैयार होगी, आने के लिए।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने करीब तीन महीने बाद शुक्रवार को सीएम आवास खाली कर दिया। गहलोत सिविल लाइन स्थित बंगला नंबर 49 में शिफ्ट हो गए हैं। इस दौरान गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुझे आज तक कभी बंगला खाली करने के लिए नहीं कहा। उन्होंने मुझसे कहा, आप बंगले में आराम से रहिए। मुझे जल्दी नहीं है। गहलोत अपने नए घर में शिफ्ट हो गए हैं। अब वे सिविल लाइंस पर स्थिति 49 नंबर बंगले में रहेंगे। ये वसुंधरा राजे के आवास के ठीक सामने वाला घर है। नए घर में शिफ्ट होते ही कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की है, जिसमें उन्होंने प्रदेश की बीजेपी सरकार पर जमकर हमला बोला है।

सीएम से ज्यादा पावर डिप्टी सीएम के पास

गहलोत ने कहा कि राजस्थान की भजनलाल सरकार 'रिमोट कंट्रोल' से चल रही है। वास्तव में चीफ सेक्रेटरी सुधांश पंत मुख्यमंत्री का काम कर रहे हैं। वे ही राजस्थान के डी फैक्टो सीएम हैं। सीएम से ज्यादा यहां डिप्टी सीएम की चलती है। उनके पास ज्यादा पावर है। इस दौरान अशोक गहलोत ने राजीव गांधी युवा मित्र योजना को बंद करने वाले प्रदेश सरकार फैसले को वापस लेने की भी मांग उठाई और कहा कि इसे वापस शुरू किया जाना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने किया पलटवार

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के भजनलाल सरकार पर दिए बयान पर केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने पलटवार किया है। मेघवाल ने अशोक गहलोत को चैलेंज करते हुए कहा कि अशोक गहलोत अपनी सरकार के कालखंड और हमारी सरकार के 2 महीने के काम को लेकर खुले में बहस करें।
■ पेज 2 भी देखें

मौसम: बारिश और ओलावृष्टि का आज भी अलर्ट

मौसम ने बरपाया कहर बिजली गिरी, छह मरे

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में शुक्रवार को पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के कारण मौसम का मिजाज बदल गया। प्रदेश के कई जिलों में बारिश और ओलावृष्टि के समाचार है। प्रदेश के दौसा, सवाई माधोपुर, बूंदी, टोंक, जैसलमेर, श्रीगंगानगर, झालावाड़, दूदू सहित कई जिलों में तेज हवा के साथ बारिश हुई। इसी के साथ प्रदेश के अलग-अलग जिलों में आकाशीय बिजली से 6 लोगों की मौत हो गई। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के अनुसार तीव्र पश्चिम विक्षोभ के प्रभाव से दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान और आसपास के पाकिस्तान क्षेत्र के ऊपर एक परिसंचरण तंत्र बना हुआ है। इसके कारण राजधानी जयपुर सहित जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, भरतपुर और उदयपुर संभाग के कुछ भागों में बिजली चमकने के साथ ही 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं।

इसके साथ ही प्रदेश के कई जिलों में ओलावृष्टि भी हुई। मौसम विभाग ने शनिवार को भी बीकानेर, अजमेर, उदयपुर, कोटा, जयपुर और भरतपुर संभाग के कुछ भागों में बारिश, तेज हवाएं और कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना जताई है। वहीं मित्रपुरा तहसील क्षेत्र के नानतोड़ी गांव के जंगल में भेड़ चराने गए चरवाहा धन्नालाल मीना की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। इनके साथ 100 भेड़ें भी काल का ग्रास बन गईं।

दौसा में बिजली गिरने से तीन की मौत

दौसा में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गई, जिसमें एक स्कूली छात्रा शामिल हैं। जिले के लालसोट में दो अलग-अलग जगह बिजली गिरने से एक स्कूली छात्रा और एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतका की पहचान दौलतपुरा गांव में छात्रा चाइना मीना (17) पुत्री रमेश मीना के रूप में हुई है। मीना स्कूल से छुट्टी के बाद घर लौट रही थी तभी बिजली गिर गई। दूसरा मामला भी लालसोट के लाडपुरा के देवली मोड़ पर हुआ। यहां बाइक सवार युवक शाहरुख के ऊपर बिजली गिर गई। इससे वह अचेत हो गया। डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। इसके अलावा चाकसू के देवगांव में बीना पत्नी गणेश जाट और विमला पत्नी सीताराम जाट दोनों खेत में फसल काटने का कार्य कर रही थी। इसी दौरान आकाशीय बिजली गिरने से दोनों गंभीर रूप से झुलस गई। परिजन अस्पताल में लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने बीना को मृत घोषित कर दिया वहीं विमला को जयपुर रेफर कर दिया। वहीं टोंक के पीपलू में पंचायत समिति पर बिजली गिरने से चार कर्मचारी अचेत हो गए।

मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख की सहायता के निर्देश

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने से मरने वालों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए की सहायता आपदा प्रबंधन एवं राहत विभाग की ओर से जिला कलेक्टरों के माध्यम से तथा 1-1 लाख रुपए की सहायता मुख्यमंत्री राहत कोष से प्रदान की जाएगी। सीएम ने अतिवृष्टि, ओलावृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में शीघ्र गिरदावरी करवाकर फसलों के खराबे का आकलन कराने के भी निर्देश दिए।

आकाशीय बिजली गिरने से पति-पत्नी की मौके पर हुई मौत: प्रदेश में आकाशीय बिजली गिरने से हुए हादसों में पांच लोगों की मौत हो गई। सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा तहसील के बगीना में फसल कटाई के लिए गए पति-पत्नी की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। इन दोनों के साथ ही 8-10 बकरियों की भी मौत हो गई। 30 वर्षीय राजेंद्र मीणा और उसकी पत्नी जलेबी दोनों खेत पर गए थे। इसी दौरान बारिश शुरू हो गई। इससे बचने के लिए दोनों पति-पत्नी एक झाड़ी के नीचे बैठ गए। इसी दौरान अचानक तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरी और दोनों पति पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई।

ट्रस्टी-डीन के ऑफिस-घर पर किया सर्च

अपोलो वेटरनरी कॉलेज में एसीबी की छापेमारी

■ 35 करोड़ रु. के गबन से जुड़ा मामला

बेधड़क | जयपुर

जयपुर के जामडोली में स्थित एक निजी वेटरनरी कॉलेज में करीब 35 करोड़ रुपए के गबन के मामले को लेकर शुक्रवार को एसीबी ने कॉलेज के ट्रस्टी के आवास और अन्य ठिकानों पर रेड मारी। इस मामले में एक बार एसीबी एफआर लगा चुकी है। अब हाई कोर्ट की सख्ती के बाद एसीबी ने एक बार फिर सर्च की कार्रवाई की है। एसीबी के सूत्रों के अनुसार एसीबी के एएसपी सुरेंद्र सिंह के निर्देशन में अपोलो वेटरनरी कॉलेज के ट्रस्टी दूल्हेराम मीणा के आवास और अन्य ठिकानों पर शुक्रवार को एसीबी ने सर्च अभियान चलाया।

यह है पूरा मामला

दरअसल, यह पूरा मामला वेटरनरी कॉलेज के खातों से फंड ट्रांसफर कर करीब 35 करोड़ के गबन के आरोप से जुड़ा है। आरोप है कि नियमों को ताक में रखकर दूल्हेराम मीणा कॉलेज के ट्रस्टी बन गए और उनके, बेटों और अन्य खातों में कॉलेज के खाते से 35 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए। हालांकि, यह मामला पहले एसीबी में आया और पड़ताल के बाद एसीबी ने इस पर एफआर लगा दी थी। अब हाई कोर्ट के आदेश के बाद फिर से इस मामले की फाइल खोली गई है। इस मामले ईडी भी जांच कर रही है। एनआरआई डॉ. राज खरे के परिवाद पर साल 2020 में इस संबंध में एसीबी में परिवाद दर्ज हुआ था

नियुक्ति समिति ने दी मंजूरी

निजी क्षेत्र के 25 विशेषज्ञों को प्रमुख पदों पर भर्ती करेगी केंद्र सरकार

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्र सरकार जल्द ही निजी क्षेत्र के 25 विशेषज्ञों को विभिन्न प्रमुख पदों पर भर्ती करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में तीन संयुक्त सचिवों और 22 निदेशकों/उप सचिवों की नियुक्ति को मंजूरी दी है। ये प्रतिभाएं नरेंद्र मोदी सरकार की महत्वकांक्षी योजनाओं की सुगमता को और बेहतर बनाएंगे।

आमतौर पर संयुक्त सचिव और उप सचिव के पद अखिल भारतीय सेवाओं भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस), भारतीय वन सेवा (आईएफओएस) और समूह ए की अन्य सेवाओं के अधिकारियों के पास होते हैं।

इन विशेषज्ञों की सीधी भर्ती (सरकारी विभागों में निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों की नियुक्ति) की जा रही है। जिसका मकसद सरकार में नई प्रतिभाओं को शामिल करना है। सीधी भर्ती योजना का शुभारंभ 2018 में किया गया था। इसके तहत संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव के स्तर पर भर्ती की जाती है। इन स्तरों पर अधिकारी नीतियां बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। इस प्रक्रिया से आने वाले अधिकारी बाद में सरकारी प्रणाली का अभिन्न अंग बन जाते हैं।

ACB का एक्शन

एक्सईएन को लगी भनक... घूस के 60 हजार 'फोन-पे' पर कर डाले रिटर्न

- एसीबी ने 8 माह बाद एक्सईएन के खिलाफ किया दर्ज किया मामला
- जालोर नगर परिषद का मामला, ठेकेदार से बिल पास करने के लिए मांगी थी रिश्वत
- ट्रैप की कार्रवाई फेल, अफसरों की कार्यशैली पर सवाल

बेधड़क | जयपुर

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की कार्रवाई की भनक लगने पर एक्सईएन ने वापस ठेकेदार के फोन-पे अकाउंट में 60 हजार रुपए की घूस की राशि वापस ट्रांसफर कर दी। मामला जुलाई, 2023 का जालोर नगर परिषद का है। इस मामले में अब एसीबी ने आठ माह बाद एक्सईएन दिलीप माथुर के खिलाफ घूस मांगने का मामला दर्ज किया है। दरअसल एसीबी में जितेंद्र कुमार ने दिलीप माथुर के खिलाफ घूस मांगने की शिकायत की थी। आरोप था कि उसने शहर में 16 लाख रुपए के सिविल कार्य किए थे। कनिष्ठ अभियंता ने सिविल कार्यों का सत्यापन करके बिल पास करने के लिए फाइल एक्सईएन के पास भेज दी थी।

एक्सईएन सिविल कार्यों के बिल पास करने के लिए 5 फीसदी कमीशन यानी 80 हजार रुपए की परिवादी से घूस मांग रहा था। इस पर परिवादी ने आरोपी दिलीप माथुर ने फोन-पे अकाउंट पर 60 हजार रुपए ट्रांसफर करवा लिए और बाकी के 20 हजार रुपए देने पर ही बिल पास करने की बात कही। साथ में कहा कि अगर बकाया राशि नहीं देगा तो भविष्य में कोई भी बिल पास नहीं होगा। एसीबी ने परिवादी की शिकायत का सत्यापन किया और सत्यापन के बाद आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी की तो आरोपी ने ऐनवक्त पर बकाया घूस के 20 हजार रुपए लेने से इनकार कर दिया और उस समय ही आरोपी ने परिवादी के फोन-पे अकाउंट में 60 हजार रुपए वापस ट्रांसफर करके फोन रिसिव करना ही बंद कर दिया। हालांकि सत्यापन की रिकॉर्डिंग के आधार पर अब एसीबी ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

सिविल कार्यों के पेंडिंग थे पांच बिल

परिवादी जितेंद्र कुमार ने जालोर शहर में 16 लाख रुपए के सिविल कार्य कर दिए थे और 20 लाख रुपए के सिविल कार्य और चल रहे थे। ऐसे में किए गए सिविल कार्यों के पांच बिलों का भुगतान दिलीप माथुर ने रोक रखा था। एक बिल पास करने की एवज में 16-16 हजार रुपए की डिमांड की जा रही थी। सत्यापन के दौरान आरोपी ने परिवादी से कहा पहले बकाया राशि 20 हजार रुपए दो। इसके बाद ही बिल पास होंगे। बड़ा सवाल यह है कि जब परिवादी की शिकायत का सत्यापन हो गया और ट्रेप करने का जाल बिछा लिया। ऐसे में एसीबी की कार्रवाई की आरोपी को भनक कैसे लगी। ट्रेप की कार्रवाई फेल होने में एसीबी की अधिकारियों की कार्यशैली पर भी सवाल उठने लगे हैं।

जरूरी खबर

सीएमएचओ ने अस्पतालों का किया निरीक्षण

बेधड़क. जयपुर। जिले के नए सीएमएचओ कार्यभार संभालने के बाद एक्टिव मोड पर हैं। चिकित्सा विभाग की मॉनिटरिंग मजबूत करने के लिए अस्पतालों का निरीक्षण कर रहे हैं। इसी कड़ी में सीएमएचओ जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने शुक्रवार को जिले के चिकित्सा संस्थानों का औचक निरीक्षण किया। इसमें व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। सीएमएचओ प्रथम डॉ. रवि शेखावत ने शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सिरसी व सिटी डिस्पेंसरी, मिनी सेक्रेटेरिएट का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पतालों में सफाई, निशुल्क दव और जांच के समुचित प्रबंध के निर्देश दिए।

पीएचडी एंट्रेंस रिजल्ट पर विवाद, लिया वापस

बेधड़क. जयपुर। राजस्थान यूनिवर्सिटी की ओर से पीएचडी एंट्रेंस टेस्ट का रिजल्ट जारी करने के बाद यह विवादों में आ गया है। पूर्व शोध छात्रसंघ अध्यक्ष रामस्वरूप ओला ने एंट्रेंस टेस्ट में आरक्षण प्रणाली से छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। ओला ने कहा कि OBC, ST, SC मेरिट सूची गड़बड़ी है। आरक्षण कैटेगरी की मेरिट सामान्य वर्ग से अधिक गई है। गौरतलब है कि विवि ने रिजल्ट जारी किया था। उसके बाद विवाद होने पर वापस ले लिया गया।

लेखन भी देश सेवा का माध्यम: देवनानी

बेधड़क. जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि लेखन कार्य भी देश सेवा का माध्यम है। उन्होंने लेखकों का आह्वान किया कि वे भारतीय संस्कृति की महानता की अनुभूति कराने वाला लेखन करें। यह भी सच्ची देश सेवा है। देवनानी ने शुक्रवार को यहां जवाहर कला केंद्र में डॉ. प्रेम सिंह चारण के काव्य संग्रह गीताक्षरी का विमोचन किया। देवनानी ने डॉ. चारण की पेंटिंग्स प्रदर्शनी कैथारसिस का फीता काटकर उद्घाटन किया। विधानसभा अध्यक्ष ने दीप प्रज्वलन कर समारोह का शुभारम्भ किया।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल ने मुख्यमंत्री पर गहलोत के आरोपों का दिया जवाब

भाजपा के 2 माह और अपने कार्यकाल पर बहस करें गहलोत

बेधड़क | जयपुर

केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने पूर्व सीएम अशोक गहलोत को खुला चैलेंज दिया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के 2 माह के कार्यकाल और पूर्व सीएम गहलोत के अपनी सरकार के 2 माह के कार्यकाल में किए गए कार्यों पर चर्चा करें।

पूर्व सीएम गहलोत को कांग्रेस के जन घोषणा पत्र और भाजपा के संकल्प पत्र को लेकर जनता के समक्ष खुले मंच पर चर्चा करनी चाहिए, लेकिन वे ऐसा नहीं करेंगे। ऐसे में पूर्व सीएम अशोक गहलोत द्वारा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर आरोप लगाना निराधार है, गहलोत

के बयान उनकी मनोस्थिति को दर्शाता है। पूर्व सीएम गहलोत वस्तु स्थिति को ध्यान में रखकर बयान नहीं दे है, वे तो विधानसभा की हार से हताश होकर मजबूरी में मुख्यमंत्री या भाजपा पर आरोप लगा रहे हैं। गहलोत के राज में तो पावर को लेकर सचिन पायलट और उनकी लड़ाई ही चल रही थी। मेघवाल शुक्रवार को प्रदेश भाजपा मुख्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे।

प्रदेश में भाजपा की मजबूत सरकार कर रही है काम

केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि पूर्व सीएम अशोक गहलोत क्या बोलते हैं पता नहीं ? पहले भी सरकार को लेकर अनर्गल बयान दिया था। भारतीय जनता पार्टी की मजबूत सरकार प्रदेश में काम कर रही है। भाजपा के संकल्प पत्र में किए गए वादों पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक के बाद एक पूरा करने की दिशा में काम शुरू कर दिया। फिर चाहे वो ईआरसीपी, यमुना जल समझौता, 450 रूपए में उज्जवला रसोई गैस योजना, पेपरलीक मामले में एसआईटी गठन, महिला अपराध रोकने की दिशा में एंटी रोमियों टास्क फोर्स का गठन, अपराधों पर लगाम लगाने के लिए एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स के गठन का मामला ही क्यों ना हो। मुख्यमंत्री ने जनहितों को ध्यान में रखते हुए महज 2 माह के कार्यकाल में इन पर ऐतिहासिक फैसले किए।

गहलोत असंतोष का आकलन भी नहीं कर पाते

केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि गहलोत कह रहे है कि ईडी का डर दिखाया जा रहा है, मैं गहलोत जी से पूछना चाहता हूं कि हिमाचल प्रदेश में तो उनके 40 विधायक थे, किसका डर दिखाया था वहाँ पर , कांग्रेस के अंदर खुद में असंतोष है। पूर्व सीएम गहलोत कांग्रेस में असंतोष का आकलन भी नहीं कर पाते हैं। गहलोत अपने नेताओं पर कंट्रोल नहीं कर पाते और फिर दूसरों पर आरोप लगाते हैं। भारत के संविधान के तीन अंग है विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका। इन तीनों में समन्वय बेहतर होता है तभी शासन अच्छा आता है। हमारा गुड गवर्नेंस और डवलपमेंट देने का संकल्प है, हम उसी दिशा में कार्यरत है। गहलोत अपने शासन काल के 2 माह के कार्यों को देखें तो कुछ भी सामने नहीं आएगा।

गहलोत के इस बयान पर मचा बवाल

देश में जल्द लोकसभा चुनाव होने वाले हैं और चुनाव से पहले कई राज्यों के नेता कांग्रेस का दामन छोड़कर बीजेपी में शामिल हो रहे हैं। जिसके बाद राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कहा था, कि भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस नेताओं के घर ED भेजकर उन्हें पार्टी छोड़ने के लिए मजबूर कर रही है। गहलोत के इस बयान के बाद बीजेपी के कई नेताओं ने उन पर पलटवार किया था। अब केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

उदयपुर में जनसभा के दौरान कांग्रेस पर बरसे CM भजनलाल

BJP सरकार में हो रहे ट्रांसफरों से पूर्व सीएम को ऐतराज क्यों!

बेधड़क | जयपुर

लोकसभा चुनाव से पहले राजनीतिक दलों का एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। इस बीच मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को उदयपुर में एक जनसभा के दौरान पूर्व कांग्रेस सरकार पर तीखे वार किए। उन्होंने मंच से गहलोत सरकार के कार्यों पर सवाल उठाए और जनता के साथ धोखा करने के आरोप भी लगाए।

मुख्यमंत्री ने गोगुंदा में देवास बांध के तीसरे और चौथे चरण का शिलान्यास किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने यहां आयोजित सभा में कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तंज कसते हुए कहा कि जादूगर जी जादू तो करते हैं। हमारी सरकार ने हाल ही ट्रांसफर किए थे। उनको ट्रांसफर में भी एतराज हो रहा है। उनकी नब्ज क्या है?

उनकी नब्ज ये है कि कांग्रेस सरकार में इस तरह के काम खर्ची से होते थे। उन्हें अब वे दिन याद आते हैं कि हम खर्ची से काम करते थे। खर्ची से किस तरह ट्रांसफर में ये उद्योग चलता था। सीएम भजनलाल ने आगे कहा कि पूर्व कांग्रेस सरकार ने पाठ्य पुस्तकों में अबकर को महान बताने का काम किया। अकबर महान नहीं असलियत में तो महाराणा प्रताप महान है। सीएम ने कहा कि राजस्थान अपराधियों और भूमाफियाओं की नहीं बल्कि शक्ति और शांति की धरती है। हम किसी भी कीमत पर ऐसे लोगों को बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम उन माफियाओं को छोड़ने वाले नहीं है।' सीएम शर्मा ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि 'भारत कहां से टूट रहा है।

राहुल गांधी को न्याय यात्रा निकालनी थी तो कांग्रेस राज में निकालनी चाहिए थी। तब महिला और दलित अत्याचार में राजस्थान पहले पायदान पर था। उस समय निकालते तो लोगों को न्याय मिलता। हमारी सरकार में महिला के साथ न्याय होगा। सीएम ने उदयपुर में हुए कन्हैयालाल हत्याकांड का जिक्र करते हुए कहा कि कन्हैयालाल की निर्मम हत्या हुई थी। तब कांग्रेस सरकार का क्या रवैया रहा। ये सबने देखा है।'

■ मुख्यमंत्री बोले- कांग्रेस में चलता था ट्रांसफर उद्योग

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में सीएम के साथ असम राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी भी साथ थे। इसके अलावा जनजाति मंत्री बाबूलाल खराड़ी, राजस्व मंत्री हेमंत मीणा, राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, जिला प्रमुख ममता कुंवर, गोगुंदा विधायक प्रताप गमेती और उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा सहित जिले के कई भाजपा नेता मौजूद थे।

मावली में राजकीय महाविद्यालय भवन का लोकार्पण

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शिक्षा हमारे जीवन की मूलभूत आवश्यकता है। ठीक समय पर शिक्षा मिलने से हमारा जीवन सकारात्मक रूप से परिवर्तित हो जाता है। शिक्षा के साथ-साथ चिकित्सा, बिजली, पानी और सड़क भी आज के समय की जरूरत हैं। इन्हीं से समाज की प्रगति होती है। समाज अपने उत्तरदायित्व को लेकर आगे बढ़ता है तो हमारे प्रदेश और अंततः हमारे राष्ट्र का उत्थान होता है। मुख्यमंत्री शुक्रवार को उदयपुर जिले में मावली राजकीय महाविद्यालय के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इक्कीसवीं सदी भारत की है और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने 2014 के बाद हर क्षेत्र में सकारात्मक कार्य किया है। पिछले एक दशक में देश में शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा बदलाव आया है।

खराब रोड पर बोले भजनलाल

मुख्यमंत्री कहा कि हम हर विधायक को उनके क्षेत्र में खराब रोड़ सुधार के लिए 5 करोड़ रुपए आवंटित किए। जोधपुर में चुनाव से पहले रास्ता खराब होने से मुख्यमंत्री को 10 किमी भी हेलिकॉप्टर से जाना पड़ा था। ये कांग्रेस सरकार की स्थिति थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'देवास तृतीय परियोजना के तहत गोगुंदा के नथियाथल गांव में 703 एमसीएफटी क्षमता के बांध का निर्माण होगा। वहीं चौथी परियोजना के तहत गोगुंदा के ही अंबावा गांव में 390 एमसीएफटी क्षमता का बांध बनेगा। दोनों जगह आकोदड़ा बांध से जोड़ते हुए सुरंग बनाई जाएगी। आकोदड़ा बांध से पानी पिछोला झील में भेजा जाएगा। देवास तीसरे और चौथे चरणा के लिए 1 हजार 690 करोड़ रुपए बजट रखा है। इसका निर्माण 44 माह की अवधि में पूरा करने का लक्ष्य है। उदयपुर की झीलें हमेशा भरे रहने से यहां के पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

डीएलबी ने जारी किया भर्ती का विज्ञापन

प्रदेश में 24 हजार सफाईकर्मियों की भर्ती को दिखाई झंडी

■ लॉटरी व प्रायोगिक परीक्षा के माध्यम से ही पूरी होगी भर्ती प्रक्रिया

बेधड़क | जयपुर

राज्य सरकार की ओर से बेरोजगारों के लिए अच्छी खबर है। पिछली सरकार में अटकी सफाई कर्मचारियों की भर्ती नए सिरे से शुरू होने वाली है। भर्ती पूर्व की तरह निकाय स्तर पर लॉटरी प्रक्रिया एवं प्रायोगिक परीक्षा के आधार से ही होगी। भर्ती को लेकर शुक्रवार को स्वायत्त शासन विभाग ने विज्ञापन जारी कर दिया। विभाग के निदेशक सुरेश कुमार ओला ने बताया कि राजस्थान नगरपालिका (सफाई कर्मचारी सेवा) नियम, 2012 के अन्तर्गत राज्य की 186 नगरीय निकायों में सफाई कर्मचारियों के कुल 24797 रिक्त पदों पर निकायवार सीधी भर्ती जाएगी। इच्छुक निर्धारित योग्यताधारी अभ्यर्थी 4 मार्च से 24 मार्च तक ऑन लाईन आवेदन पत्र कर सकता है। भर्ती के लिए आयु सीमा 01.01.2025 को न्यूनतम 18 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष से कम होनी चाहिए। जिन अभ्यर्थियों द्वारा पूर्व में ऑनलाईन आवेदन कर दिया उन्हें दबुारा आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है। आवेदन के लिए जनाधार कार्ड की आवश्यकता होगी। भर्ती के लिए अभ्यर्थी राजस्थान का मूल निवासी होना चाहिए। अभ्यर्थी को राज्य की किसी भी नगरीय निकाय, केन्द्र अथवा राज्य के किसी भी विभाग, केन्द्र अथवा राज्य सरकार के आदेश द्वारा संस्थापित स्वायत्तशाषी संस्था / अर्द्धसरकारी संस्थान में संवेदकों, प्लेसमेन्ट एजेन्सियों या निजी संस्थान जैसे कि स्कूलों, कॉलेजों, हॉस्पिटलों, होटलों, फैक्टरियों या घर, दुकानों, मॉल या कोई अन्यत्र स्थानों पर नियमित रूप से सफाई कार्य करने का न्यूनतम 01 वर्ष का अनुभव प्रमाण पत्र आवेदन की अंतिम दिनांक बना हुआ होना चाहिए।

जल जीवन मिशन घोटाला

पदमचंद का बेटा पीयूष गिरफ्तार कोर्ट ने 4 दिन के रिमांड पर भेजा

बेधड़क | जयपुर

हर घर तक नल से पानी पहुंचाने की केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन में हजारों करोड़ रुपए के घोटाले के आरोपी पदमचंद जैन के बेटे पीयूष पर अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शिकंजा कसा है। उसे गिरफ्तार कर चार दिन के रिमांड पर लिया गया है।

ईडी की ओर से शुक्रवार को जारी बयान में बताया गया है कि जल जीवन मिशन मामले में पीयूष जैन को 29 फरवरी को गिरफ्तार किया गया है। उसे पीएमएलए

मामलों की विशेष अदालत में पेश किया गया। जहां से चार दिन की रिमांड पर सौंपा गया है। दरअसल, पदमचंद जैन जल जीवन मिशन में हजारों करोड़ रुपए के घोटाले का प्रमुख आरोपी है।

प्रारंभिक तौर पर सामने आया है कि उसका बेटा पीयूष घोटाले की रकम को ठिकाने लगा रहा था। इसके चलते उसकी भूमिका संदिग्ध होने पर उसे गिरफ्तार किया गया है। अब ईडी के अधिकारी उससे पूछताछ में जुटे हैं। पूछताछ के बाद इस मामले में और खुलासे हो सकते हैं। इन खुलासों के आधार पर आने वाले दिनों में कई और लोगों पर शिकंजा कस सकती है। पदमचंद के बेटे पीयूष का ससुराल जयपुर जिले के चौमू में है। जल जीवन मिशन घोटाले में ईडी की छापेमारी के चलते उसने बड़ी संख्या में संपत्ति के दस्तावेज और सोना-चांदी ट्रॉली बैग में भरकर अपने ससुराल में छुपाया था।

सीएम ने जयपुर मेट्रो के संबंध में ली अहम बैठक

नए से सिरे से मेट्रो की DPR बनाएगी सरकार

बेधड़क | जयपुर

मेट्रो के नए फेज सीतापुरा से अंबाबाड़ी और विद्याधर नगर तक के विस्तार की डीपीआर नए सिरे से बनाई जाए, साथ ही राज्य सरकार की 100 दिवसीय कार्ययोजना में शामिल जयपुर मेट्रो के फेज 1-डी (मानसरोवर से 200 फीट बाईपास पर अजमेर रोड चौराहे तक) का शिलान्यास भी शीघ्र किया जाएगा।

जयपुर मेट्रो की कनेक्टिविटी में शहर के भीड़ वाले प्रमुख स्थलों को सम्मिलित किया जाए। भविष्य में इसके विस्तार की संभावनाओं का भी ध्यान रखा जाए। मुख्यमंत्री भजनलाल

शर्मा ने यह निर्देश शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जयपुर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक में दिए। बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जयपुरवासियों को सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध करवाना राज्य सरकार की प्राथमिकता पर है। इसे देखते हुए जयपुर मेट्रो को देश भर में मॉडल मेट्रो के रूप में विकसित किया जाए। इस प्रोजेक्ट में खर्चे व लागत का समुचित आकलन किया जाये ताकि वित्तीय संसाधनों का सदुपयोग होने के साथ ही आमजन के लिए भी बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध करवाई जा सके। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव (नगरीय विकास) श्री टी. रविकान्त, जयपुर मेट्रो के सीएमडी पी. रमेश सहित जेएमआरसी के उच्चाधिकारी मौजूद रहे।

एक मंच पर दिखे पक्ष-विपक्ष के विधायक व मंत्री

विचारधारा अपनी जगह, समाज अपनी जगह: डोटासरा

बेधड़क | जयपुर

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि पार्टी की विचारधारा अपनी जगह है। वहां बात करेंगे, सब लोगों को करनी भी चाहिए। क्योंकि इसके माध्यम से आप ऊपर उठ रहे हो। लोगों की सेवा कर रहे हो।

अगर पार्टी विचारधारा से बंधकर आप जा रहे हो। उस पार्टी के लिए बोलो। इससे किसी को कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन बिना सोचे समझे आप कुछ भी बोल रहे हो यह सही नहीं है। इस कार्यक्रम के बाद कई लोगों के कान के दरवाजे खुल जाएंगे। डोटासरा

शुक्रवार को बिडला ऑडोटेरियम में वीर तेजाजी संवाद कार्यक्रम में बोल रहे थे।

इससे पहले बीजेपी सरकार में यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने एक मंच पर तेजाजी के गाने पर डांस किया। कार्यक्रम में समाज के कई मंत्री और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। इस दौरान विधायक और सांसदों का सम्मान किया गया।

समाज के हक के लिए जोर से बोलो

डोटासरा ने कहा हम सब एक हैं। एक-दूसरे का सम्मान करना जानते हैं। मैं खर्रा साहब की बात से 100 प्रतिशत सहमत हूं कि कोई भी बात तौल कर बोलो। मैं इसमें एक और बात जोड़ना चाहूंगा कि तौल के बोलो, लेकिन समाज के हक के लिए जोर से बोलो। ताल ठोक के बोलो। जो भी आपका सालों से इस्तेमाल कर रहे हैं। आपस में लड़वा रहे हैं। उन सभी से सावधान रहने की जरूरत है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने कहा किपने समाज की सबसे बड़ी कमजोरी है कि हम सब लोगों के इस्तेमाल में आ रहे हैं। मुझे निपटाना हो तो दूसरे नेता को आगे कर देते हैं। खर्रा को निपटाना हो तो डोटासरा को आगे बढ़ा देते हैं।

संवाद से ही समाज की तरक्की

सीकर सांसद सुमेधानंद सरस्वती ने कहा कि समाज में संवाद समाप्त हो जाता है। वह समाज, संगठन, कौम कभी आगे तरक्की नहीं कर सकता । समाज की ओर से संवाद की पहल की गई है। अभी हमारे कई साथी विधानसभा चुनाव में चुनकर आए हैं। जिस कौम में सम्मान की भावना होती है, वह अपने आप में बड़ी बात है। समाज के सभी लोगों से कहना चाहूंगा कि हमें अध्ययन करना चाहिए। अपने समाज के इतिहास का अध्ययन करना चाहिए। जो व्यक्ति अपने अतीत के बारे में नहीं जानता उसका वर्तमान और भविष्य अंधकार में रहता है। हमें अपने अतीत को जानना चाहिए और हमारा अतीत बहुत गौरवशाली रहा है।

टॉक शो के जरिए महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर होगी चर्चा

बेधड़क | जयपुर

नगर निगम ग्रेटर की ओर से जवाहर कला केन्द्र के शिल्पग्राम में शक्ति वंदन कार्यक्रम का आगाज शनिवार से होगा। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम 2, 3, 4 मार्च को आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में महिलाओं की ओर से महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। इसमें फेमिना मिस इंडिया 2020 की मान्यासिंह भी कार्यक्रम में मेरी कहानी मेरी जुबानी के तहत महिलाओं को प्रेरणा देगी।

इसके साथ ही साहित्य, कला, चिकित्सा जगत की हस्तियां भी इसमें सम्मलित होगी। कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूह की 300 महिलाओं की ओर से प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। मेयर डॉ. सौम्या ने बताया कि यह आयोजन महिलाओं के लिए महिलाओं द्वारा किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त कर समृद्ध समाज का निर्माण करना है।

महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा, स्वास्थ्य, समृद्धि एवं सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए शक्ति वन्दन कार्यक्रम के तहत प्रदर्शनी एवं टॉक शो का आयोजन किया जाएगा। टॉक शो के जरिए विभिन्न क्षेत्रों में सफलता का परचम लहराने वाली महिलाऐं अपने विचार रखेगी।

जेएलएन मार्ग पर देर रात दो कारें भिड़ी, पलटकर पोल से टकराई

फोटो: पंकज शर्मा

जयपुर। *त्रिमूर्ति सर्किल के पास जेएलएन मार्ग पर शुक्रवार रात करीब 11:30 बजे दो कारों में जबरदस्त टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि एक कार दूसरी को टक्कर मार पलटी खाते हुए करीब डेढ़ सौ मीटर दूर बिजली के पोल से जा टकराई। इससे पोल टूट गया। देर रात तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं मिली। सूचना के बाद मोती डूंगरी और एसएमएस थाना पुलिस मौके पर पहुंची और क्रेन की मदद से वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारु कराया। बताया जा रहा है कि कार में दो-तीन लोग सवार थे, जो हादसे के बाद निकलकर भाग गए।*

जरूरी खबर

खाटूश्यामजी के लिए आज से चलेगी स्पेशल ट्रेन

जयपुर। रेलवे की ओर से खाटू श्याम जी श्रद्धालुओं व यात्रियों की सुविधा के लिए शनिवार से जयपुर-नारनौल-जयपुर स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जाएगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार जयपुर-नारनौल स्पेशल रेलसेवा 2,3,6,8 व 9 मार्च को (04 ट्रिप) जयपुर से सुबह 10:40 बजे रवाना होकर दोपहर 2.05 बजे नारनौल पहुंचेगी। यही गाड़ी उन्हीं दिनों (04 ट्रिप) नारनौल से दोपहर 2.30 बजे रवाना होकर शाम 6.30 बजे जयपुर पहुंचेगी। यह रेल सेवा मार्ग में ढेहर का बालाजी, नींन्दड़ बेनाड़, चौमूं सामोद, गोविन्दगढ मलिकपुर, रींगस, श्रीमाधोपुर, कांवट, नीम का थाना, मांवडा, डाबला व निजामपुर स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

ब्राह्मण महासभा के प्रांतीय सम्मेलन की बैठक कल

जयपुर। राजस्थान ब्राह्मण महासभा के प्रांतीय वार्षिक सम्मेलन की बैठक रविवार को सुबह 11:30 बजे महासभा मुख्यालय विद्याधर नगर के सैक्टर-4 स्थित भगवान श्री परशुराम परिसर में होगी। महासभा के प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष दीक्षांत शर्मा एवं प्रमुख महामंत्री मधुसूदन शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष केशरी चन्द भंवर लाल शर्मा करेंगे। कार्यक्रम में सभी जीते हुए ब्राह्मण विधायकों का सम्मान किया जाएगा। प्रान्तीय सम्मेलन में नवीन कार्यकारणी का शपथ ग्रहण एवं अन्य नये बने जिलों की कार्यकारणी बनाने पर चर्चा की जाएगी। इस दौरान समाज की वर्तमान दशा एवं दिशा पर चर्चा होगी। साथ ही लोकसभा चुनाव में भाजपा-कांग्रेस ज्यादा से ज्यादा ब्राह्मण उम्मीदवारों को टिकिट प्रदान करे इस सन्दर्भ में चर्चा की जाएगी।

निगम हेरिटेज में बड़ा सियासी विवाद, दोनों दल हुए एकजुट

पार्षद अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी में, मेयर मुकाबले को रेडी

बेधड़क | जयपुर

हेरिटेज नगर निगम में बजट को बिना चर्चा के ही सरकार के पास भेज देने का मामला बड़ा सियासी विवाद बन गया है। इसको लेकर साधारण सभा की बैठक से पहले ही बीजेपी और कांग्रेस के साथ कुछ निर्दलीय पार्षदों ने मिलकर मेयर मुनेश गुर्जर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी शुरू कर दी है। वहीं, मेयर मुनेश गुर्जर इन सबसे बिना डरे साधारण सभा की बैठक के लिए जुटी हैं। उन्होंने कहा कि यह लोग मुझे डरा कर खुद के गलत काम करवाना चाहते हैं, जो मैं किसी भी सूरत में नहीं करूंगी।

मामले में बीजेपी पार्षद कुसुम यादव ने कहा कि जयपुर नगर निगम की मेयर कंठ तक भ्रष्टाचार में डूबी हुई हैं। इन्होंने अपने पति के साथ मिलकर जयपुर की जनता की गाड़ी कमाई को जमकर लूटा है। उनके खिलाफ ACB और पुलिस में भी मामला दर्ज है। इसकी जांच जारी है। भ्रष्टाचार में लिप्त मेयर को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुनेश गुर्जर से ना सिर्फ बीजेपी बल्कि, कांग्रेस के पार्षद भी नाराज हैं। ऐसे में जल्द ही 80 से ज्यादा पार्षद मिलकर उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहे हैं।

सुदर्शन चक्र वाला मेरे साथ, मैं बिल्कुल डरने वाली नहीं: मुनेश गुर्जर

वहीं, पार्षदों की नाराजगी को लेकर मेयर मुनेश गुर्जर ने पलटवार करते हुए कहा कि कोई भी पार्षद मेरे खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आए। मुझे कोई आपत्ति नहीं है। जब तक मेरे नसीब में जयपुर की जनता की सेवा करना लिखा होगा। मुझे जनता की सेवा करने से कोई नहीं रोक सकता है। ईश्वर बैठा है, सुदर्शन चक्र वाला मेरे साथ है। इसलिए मैं अपना काम करती रहूंगी और इन लोगों से बिल्कुल भी डरने वाली नहीं हूं।

ऐसे में तो मुश्किल है पार्षदों के मंसूबे पूरे होना

गौरतलब है कि जयपुर के हेरिटेज नगर निगम में फिलहाल 100 पार्षद हैं। इनमें 47 पार्षद कांग्रेस, 42 पार्षद बीजेपी और 11 पार्षद निर्दलीय हैं। इनमें 9 निर्दलीय पार्षदों ने कांग्रेस को जबकि 2 ने बीजेपी को समर्थन दे रखा है। ऐसे में मेयर मुनेश गुर्जर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए कांग्रेस और बीजेपी के पार्षदों को एक होकर वोट करना पड़ेगा, जो फिलहाल काफी मुश्किल नजर आ रहा है। अविश्वास प्रस्ताव लाने से पहले नाराज पार्षदों को एक लंबी प्रक्रिया से गुजरना होता है। इसके तहत उन्हें सबसे पहले अविश्वास प्रस्ताव तैयार कर जयपुर कलेक्टर को भेजना होगा। इसमें मौजूदा बोर्ड के तीन चौथाई पार्षदों के हस्ताक्षर होना जरूरी है। ऐसे में 100 पार्षदों में से 75 पार्षदों के साइन वाला अविश्वास प्रस्ताव का पत्र कलेक्टर के पास पहुंचेगा। इसके बाद अगले 7 दिनों में कलेक्टर साधारण सभा की बैठक बुलाएंगे। इसमें कोरम पूरा होने पर कलेक्टर मेयर को हटाने का प्रस्ताव रखेंगे, जिस पर 4 घंटे तक चर्चा होगी। इसके बाद वोटिंग में तीन चौथाई (75) पार्षदों को मेयर के खिलाफ वोट करने होंगे। तब जाकर मेयर मुनेश गुर्जर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित हो सकेगा। अगर कोरम पूरा नहीं हुआ और 75 पार्षदों ने मेयर के खिलाफ वोट नहीं किया। विश्वास प्रस्ताव अपने आप समाप्त हो जाएगा।

नैतिकता होती तो इस्तीफा दे देतीं

कांग्रेस से पार्षद उत्तम शर्मा ने कहा- भ्रष्टाचार में लिप्त मेयर मुनेश गुर्जर भ्रष्ट आचरण के कारण दो बार बर्खास्त हो चुकी हैं। नैतिकता होती तो कोर्ट से स्टे लेने की बजाय इस्तीफा दे देतीं। मेयर के पति सुशील गुर्जर और उनके दो स्टाफ भ्रष्टाचार में पूरी तरह से लिप्त पाए गए हैं। इसलिए हम इनके खिलाफ हैं। वहीं, कांग्रेसी पार्षद दशरथ सिंह शेखावत ने कहा- भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए कांग्रेस-बीजेपी से ऊपर उठकर अंतरात्मा की आवाज पर जनता को बचाने के लिए हम सब एक हुए हैं। जयपुर की भलाई के लिए कोर्ट से स्टे लेकर बैठीं मुनेश गुर्जर को रिश्वत प्रकरण में जेल जाना पड़ेगा। अगर बीजेपी मेयर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएगी तो हम उसका पूरी तरह से समर्थन करेंगे।

सिलाई केंद्र का उद्घाटन

आत्मनिर्भर बनाना ही सच्ची सेवा: बाबूलाल

बेधड़क| जयपुर

सांगानेर में सेवा भारती समिति द्वारा व्यवसायिक स्तर की सिलाई के प्रशिक्षण का केंद्र प्रारंभ किया गया। सिलाई केंद्र का उद्घाटन जयपुर प्रांत प्रचारक बाबूलाल द्वारा किया गया।

शुभारंभ कार्यक्रम में बोलते हुए प्रांत प्रचारक बाबूलाल ने बताया कि सच्ची सेवा व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाना है। यह सिलाई प्रशिक्षण भी उसी प्रक्रिया का हिस्सा है। आज अनेक संगठनों के सामूहिक प्रयत्न से पूरे देश में स्वावलंबी भारत अभियान चल रहा। अतः इस प्रकार के माध्यम से सिलाई सीखकर अपने यहां की माताएं-बहनें एवं युवा लोग स्वावलंबी, स्वाभिमानी भारत के लक्ष्य पूर्ति का माध्यम बनें। अंत में कल्याण मंत्र के साथ शुभारंभ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में सांगानेर विभाग के विभाग संघचालक डॉ. रामकरण शर्मा उपस्थित रहे।

स्कूल को फिर से बालिकाओं के लिए ही किए जाने की मांग

बेधड़क| जयपुर

आदर्श नगर इलाके के गोल चक्कर स्थित महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल को वापस बालिका स्कूल बनाए जाने की मांग उठने लगी है। इसको लेकर स्थानीय लोगों ने आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र प्रत्याशी रवि नैय्यर को एक ज्ञापन दिया है। क्षेत्रवासियों का कहना है स्कूल का नाम पूर्व में राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय था। पिछली सरकार ने विधायक रफीक खान की अनुशंसा पर यहां सहशिक्षा कर दी। इसको लेकर बालिकाओं में रोष है। नैय्यर ने शिक्षा मंत्री से मिलकर उचित कार्रवाई का भरोसा दिया है। इस अवसर पर किशोर मोतियानी, सुनील दत्त,श्याम सुन्दर, भाजपा पदाधिकारी व क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए ख़बर, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

स्टूडेंट का किडनैप कर मांगी फिरौती, छात्र फोन पर बोला...

रुपए नहीं दिए तो ये मुझे मार देंगे

बेधड़क | जयपुर

एयरपोर्ट इलाके में कोचिंग स्टूडेंट का किडनैप कर 1 लाख रुपए की फिरौती मांगने का मामला सामने आया है। बदमाशों ने स्टूडेंट से परिजनों को कॉल करवाया, जिसमें घबराए स्टूडेंट ने फोन पर कहा- रुपए नहीं दिए तो ये लोग मुझे जान से मार देंगे।

एएसआई लटूर प्रसाद ने बताया करौली के सपोटरा निवासी राहुल बैरवा (22) का किडनैप हुआ है। वह पिछले 3 महीने से एयरपोर्ट इलाके में स्थित

अम्बेडकर कॉलोनी में किराए से रहकर कॉम्पिटिशन एग्जाम की कोचिंग कर रहा है। 26 फरवरी को कमरा बिना लॉक किए वह निकला, लेकिन वापस नहीं लौटा। 28 फरवरी को सुबह करीब 9:10 बजे राहुल ने मोबाइल से कॉल कर बताया- मुझे किसी ने पकड़ रखा है। मेरे अकाउंट में 1 लाख रुपए सुबह तक जमा करवा दो, यदि मुझे चाहते हो तो। नहीं तो ये लोग मुझे जान से मार देंगे। बस यह कहकर कॉल काट दिया। इसके बाद मोबाइल नंबर स्विच ऑफ आ रहा है। एयरपोर्ट थाने में पिता रमेश बैरवा ने बेटे राहुल की किडनैपिंग कर 1 लाख रुपए की फिरौती मांगने का मामला दर्ज करवाया। पुलिस मोबाइल लोकेशन के आधार पर किडनैप स्टूडेंट की तलाश कर रही है।

जलमहल की पाल पर सफाई श्रमदान कार्यक्रम

विधायक, महापौर और पार्षदों ने लगाई झाड़ू

बेधड़क | जयपुर

जलमहल की पाल पर शुक्रवार को विधायक, महापौर, पार्षदों और नगर निगम आयुक्त ने झाड़ू लगाकर सफाई की और लोगों को स्वच्छता के साथ ही श्रमदान का संदेश दिया। ये सब श्रमदान कार्यक्रम के तहत किया गया। इस दौरान जलमहल की पाल पर घूमने आए लोगों ने भी इस सफाई श्रमदान कार्यक्रम में शामिल होकर साफ-सफाई की और स्वच्छता के प्रति सजग रहने का आश्वासन दिया।

हवामहल विधायक बालमुकुन्द आचार्य, हेरिटेज निगम महापौर मुनेश गुर्जर, पार्षदगण, आयुक्त अभिषेक सुराणा व निगम के अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने लोगों से अपील की कि वे कचरा जलमहल में और आस-पास पर्यटन स्थलों पर न डालें। विधायक ने आयुक्त को जलमहल के पास अन्नपूर्णा रसोई के दायीं तरफ पार्किंग व्यवस्था सुधारने व अतिक्रमण हटवाने के लिए निर्देशित किया। आचार्य, मुनेश गुर्जर और अभिषेक सुराणा ने अन्नपूर्णा रसोई का भी निरीक्षण किया। श्रमदान कार्यक्रम में पार्षद मोजम अख्तर हुसैन, भूपेंद्र मीणा,अनिता जैन, स्थानीय जनप्रतिनिधि शांति लाल, सुरेश गुर्जर, कैलाश जांगिड़, हर्षवर्धन, ज्योति वाधवानी, उपायुक्त संजु पारीक, सीएचओ डॉ. सोनिया, संयुक्त निदेशक जन सम्पर्क मोतीलाल वर्मा, डीपीओ अमित शर्मा व स्वयं सेवी संस्था सीफार की महिला सदस्य उपस्थित रहे।

न्यूरोसर्जंस ने साझा किए अनुभव

युवा चिकित्सक टीम भावना के साथ नया सीखने की ललक बनाए रखें

बेधड़क | जयपुर

विश्व न्यूरोट्रोमा सोसायटी के अध्यक्ष डा. एंड्रू रेसनर सहित देश और दुनिया के अनेक बड़े न्यूरो सर्जन्स ने युवा चिकित्सकों को सलाह दी है कि, वे अकेले काम करने के बजाय टीम भावना से काम करें और नया सीखने की ललक हर कदम पर बनाए रखें।

तीन दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिसेंट एडवांसेज इन न्यूरो ट्रोमेटोलॉजी (ICRAN 2024) के पहले दिन यहां आयोजित विशेषज्ञों से मुलाकात सत्र में इन विशेषज्ञ न्यूरोसर्जंस ने अपने कामयाब जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि रोगी को अपना सर्वोत्तम देने वाले न्यूरो सर्जन का यह पहला और महत्वपूर्ण लक्षण है कि वह अपने और अपने पेशे के प्रति सदैव मेहनती और ईमानदार रहें।

वरिष्ठ न्यूरो सर्जन्स का कहना था कि आपस में आगे बढ़ने की होड़ करने के बजाय टीम भावना से काम करना और सर्जरी के बाद अच्छी न्यूरो पुनर्वास सेवाएं देना पेशे और रोगी दोनों के हित में रहता है। डॉ. निखिल मोदी द्वारा मोड़ेटेड इस सत्र में बड़ी संख्या में चिकित्सकों ने भाग लिया।

जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी दी

डॉ. वी एस मेहता ने युवाओं को सर्वोत्तम बनने की सलाह दी। फिलीपीन्स के डा. लिन लुसीना ने अपने देश में न्यूरोट्रोमा सोसायटी के जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी दी। डॉ. के श्रीधर ने अच्छी न्यूरोट्रोमा सेवाएं प्रदान करने में आने वाली परेशानियों का जिक्र किया। डॉ. सुमित सिन्हा ने संभागियों को ट्रोमेटिक ब्रेन सर्जरी को लेकर भारतीय दिशा निर्देशों पर बात की। डॉ. अनीता हाड़ा ने भी अपने विचार रखे। आज चर्चाओं की शुरुआत पांच दशक के दौरान हेड इंज्यूरी के क्षेत्र में चोट और इलाज में आए परिवर्तनों से हुई।

वॉकथान में दौड़े 200 बच्चे

इससे पहले अंगदान और सड़क सुरक्षा को लेकर एक वॉकथान आयोजित की गई जिसको जयपुर के पुलिस कमिश्नर श्री बीजू जोसफ जॉर्ज के साथ न्यूरो ट्रोमेटोलॉजी सोसायटी के अध्यक्ष एंड्रू रेसनर और एशियन ऑस्ट्रेलियन सोसायटी ऑफ न्यूरोसर्जन के अध्यक्ष डा. के ड्रमंड ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पद्मश्री डा. माया टंडन के नेतृत्व में 200 स्कूली बच्चे इसमें शामिल हुए।

जरूरी खबर

बीकानेर में भाजपा ने खोला लोकसभा चुनाव कार्यालय

बीकानेर। लोकसभा चुनाव के लिए बीकानेर में भाजपा ने चुनावी अभियान शुरू कर दिया है। बीकानेर के रेलवे स्टेशन के पास ही भारतीय जनता पार्टी ने अपना चुनाव कार्यालय शुरू कर दिया है। सांसद और केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल का कहना है कि कमल का फूल ही हर बार की तरह उम्मीदवार है। ऐसे में चुनाव कार्यालय का नाम ही कमल कार्यालय रखा गया है। सांसद अर्जुनराम मेघवाल के साथ भाजपा नेताओं ने विधि विधान और मंत्राचारो के साथ कार्यालय की शुरुआत की।

लापता सरपंच का शव एमओडी नहर में तैरता मिला

हनुमानगढ़। हनुमानगढ़ में गुरुवार को संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुए धोलीपाल ग्राम पंचायत के सरपंच महावीर मूंड का शव शुक्रवार सुबह एमओडी नहर में मिला। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची हनुमानगढ़ पुलिस ने शव कब्जे में लेकर हनुमानगढ़ टाउन के जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। प्राथमिक जांच में सरपंच के आत्महत्या करने की बात सामने आ रही है, हालांकि आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे पुलिस को सूचना मिली की एमओडी नहर में एक शव तैरता हुआ मिला है। जंक्शन पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तस्दीक की तो वह शव लापता सरपंच महावीर मूढ़ का ही था।

अलवर पुलिस ने 10 हजार फर्जी सिम कराई बंद

अलवर। पुलिस ने साइबर ठगों पर कार्रवाई करते हुए 10 हजार फर्जी सिम बंद करवाई है। इन फर्जी सिमों से लोगों के साथ ठगी करने का मामले सामने आ रहे हैं। अलवर जिला पुलिस अधीक्षक आनंद शर्मा ने बताया कि हमने इस पूरे मामले में जब जांच पड़ताल की, तो सामने आया कि यहां पर जो साइबर ठग हैं, वो ड्राइविंग करके पूरे देश में घूमते हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि राजस्थान में जो सिम कार्ड चल रहे हैं, उनसे कभी भी साइबर फ्रॉड नहीं होता है। यह फ्रॉड जब होता है, जब दूसरे राज्यों से जैसे झारखंड़, पश्चिम बंगाल से सिम लेकर आते हैं। वो ही लोग यहां आकर ठगी कर रहे हैं। 2023 में 80000 सिम को ब्लॉक करवाया था।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पोकरण दौरे पर, भणियाणा उच्च माध्यमिक विद्यालय में किया शिलान्यास

सांसद ने किसानों से की मुलाकात, बांध का किया निरीक्षण

बेधड़क | पोखरण

जोधपुर सांसद और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत शनिवार को पोकरण विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों के दौरे पर है। केंद्रीय मंत्री कल रात को साकड़ा गांव पहुंचे और रात्री विश्राम के बाद सुबह साकड़ा में ग्रामीणों से मुलाकात की।

साकड़ा में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के आदर्श वार्ड का लोकार्पण भी किया। इस दौरान उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश 'जहां बीमार, वहीं उपचार' की दिशा में जोधपुर लोकसभा क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य को लेकर

काम जारी है। इस दौरान पोकरण विधायक महंत प्रतापपूरी, साकड़ा प्रधान भगवतसिंह तंवर, पोकरण के पूर्व विधायक शैतानसिंह राठौड़ समेत भाजपा के कई स्थानीय नेता मौजूद रहे।

साकड़ा में की जन सुनवाई

साकड़ा में जन सुनवाई कार्यक्रम के बाद केंद्रीय मंत्री निकटवर्ती ग्राम पंचायत नेड़ान में नव निर्मित डेम का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और समाधान का आश्वासन दिया। जोधपुर सांसद ने आज फलसुंड में स्थानीय किसानों और राजपूत समाज के लोगों से मुलाकात की। उन्होंने किसानों की मांगों को सुना और उनकी मांगों की पूर्ति का आश्वासन दिया। गौरतलब है कि केंद्रीय मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत अपने लोकसभा क्षेत्र की पोकरण विधानसभा क्षेत्र के दो दिवसीय दौरे पर हैं। शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री अजासर, दिधु, छायण, भिखोड़ाई, राजमथाई, भनियाना क्षेत्र का भी दौरा करेंगे। इस दौरान केंद्रीय मंत्री शिलान्यास, लोकार्पण समेत जन सुनवाई के कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।

क्लासरूम का किया शिलान्यास

केंद्रीय मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत ने जैसलमेर के भणियाणा में बलाड के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अतिरिक्त कक्षा कक्ष का शिलान्यास किया। इस मौके पर उन्होंने स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बलाड के प्रधानाचार्य ने केंद्रीय मंत्री का माला पहलाकर स्वागत किया।

पीएचईडी मंत्री ने ली उदयपुर संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक

हर घर में पहुंचे शुद्ध पेयजल कोताही बर्दाश्त नहीं: चौधरी

बेधड़क | जयपुर

टीपीआईए प्रक्रिया पर जताया असंतोष, कहा-बदलेंगे व्यवस्था

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग तथा भूजल विभाग मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने शुक्रवार को उदयपुर में पटेल सर्कल स्थित पीएचईडी कार्यालय के सभागार में संभागीय स्तरीय विभागीय समीक्षा बैठक ली। इसमें उन्होंने जिले वार कामों की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए आगामी ग्रीष्म ऋतु के दौरान निर्बाध पेयजल आपूर्ति को लेकर दिशा-निर्देश दिए।

बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि जनता को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना पहली प्राथमिकता है। इसमें किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ग्रीष्म ऋतु में पेयजल संकट के हालात बनते हैं। इसके लिए अभी से चाक चौबंद व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। सभी जिला कलेक्टर्स को आपातकालीन बजट उपलब्ध करा रखा है। आवश्यकता होने पर बजट और भी मिल जाएगा। हैण्डपंप दुरस्त कराएं जाएं, जहां आवश्यकता हो अतिरिक्त पाइप डालकर हैंडपंप तैयार कराएं। जरूर पड़े तो टैंकरों

ग्राउंड लेवल से फीडबैक लेकर बनाएं प्रस्ताव

बैठक में मंत्री चौधरी ने अवगत कराया कि केंद्र सरकार की ओर से अमृत-2 योजना के लिए बजट उपलब्ध कराया गया है। पूर्व में इस योजना में तैयार किए गए प्रस्तावों को फिलहाल समीक्षा के लिए रोका गया है। उन्होंने सभी अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में कहा कि आगामी 15 दिन में जनप्रतिनिधियों से रायशुमारी करते हुए ग्राउण्ड लेवल से फीडबैक लेकर प्रस्ताव तैयार किए जाएं। बैठक में जनप्रतिनिधियों ने पेयजल टंकियों की नियमित सफाई का मुद्दा भी उठाया। इस पर पीएचईडी मंत्री चौधरी ने बताया कि टंकी सफाई की मॉनिटरिंग के लिए एप तैयार कराया गया है। इससे प्रदेश के सभी उच्च जलाशयों (पानी की टंकियां) को जोड़ा जा रहा है।

जनप्रतिनिधियों ने रखी समस्याएं

बैठक में जनप्रतिनिधियों ने भी अपने-अपने क्षेत्र की पेयजल संबंधी समस्याओं से अवगत कराया। बांसवाड़ा-डूंगरपुर सांसद कनकमल कटारा ने जनजाति अंचल के दोनों जिलों में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था पर असंतोष जताया। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन और अन्य परियोजना के कई काम लंबे समय से पूर्ण नहीं हुए हैं। ठेके सबलेट करने की परंपरा के चलते कार्य की गुणवत्ता भी प्रभावित हो रही है। इस पर मंत्री ने बांसवाड़ा और डूंगरपुर के अधीक्षण अभियंताओं से वस्तुस्थिति की जानकारी लेते हुए जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

विधायकों ने बताई समस्याएं

उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा ने भुवाणा क्षेत्र में 20 हजार आबादी पेयजल सुविधा से वंचित होना बताया। इस पर मंत्री ने उक्त क्षेत्र को अमृत-2 में शामिल कर प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन ने कई क्षेत्रों में आधी रात को जलापूर्ति किए जाने, लाइनमैन द्वारा समय पर आपूर्ति नहीं करने, स्मार्टसिटी क्षेत्र में जलापूर्ति को लेकर स्मार्टसिटी लिमिटेड और पीएचईडी में समन्वय नहीं होने जैसे कई समस्याएं बताई।

की व्यवस्था रखें, लेकिन पेयजल आपूर्ति को लेकर आमजन को दिक्कतें नहीं आनी चाहिए। मंत्री ने उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, राजसमंद, प्रतापगढ़, सलूम्बर और चित्तौडगढ स्वीकृत कार्यों की प्रगति रिपोर्ट जानी। न्यून प्रगति वाले कामों पर संबंधित अधिकारियों से जवाब-तलब किया। साथ ही अन्य विभागीय परियोजनाओं को लेकर भी फीडबैक लिया। मंत्री ने थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन एजेंसी (टीपीआईए) की प्रक्रिया पर असंतोष जताते हुए जल्द ही इसमें सुधार के लिए व्यवस्थागत बदलाव के संकेत दिए। प्रारंभ में पीएचईडी के अतिरिक्त मुख्य अभियंता मोहनलाल सैनी, अधीक्षण अभियंता ललित नागौरी सहित सभी अधिकारियों ने मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, सांसद कनकमल कटारा तथा विधायकगणों का स्वागत किया। भारत मजदूर संघ सहित श्रमिक संगठनों ने भी मंत्री चौधरी का अभिनंदन किया।

आर्मी के चेतक में आई खराबी

डीडवाना में सेना के दो हेलिकॉप्टरों की इमरजेंसी लैंडिंग

बेधड़क | डीडवाना

डीडवाना जिले में शुक्रवार सुबह इंडियन आर्मी के दो हेलीकॉप्टरों की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। बताया गया कि एक हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई थी, जिसके बाद उसे गोपाल गोशाला के मैदान में उतारा गया था। इस दौरान दूसरा हेलीकॉप्टर भी साथ में लैंड हो गया।

हालांकि लगभग 1 घंटे की मशक्कत के बाद सैनिकों ने हेलीकॉप्टर में आई तकनीकी समस्या को दूर कर लिया। इसके बाद दोनों हेलीकॉप्टर ने फिर से उड़ान भर ली। एक साथ दो हेलीकॉप्टरों की अचानक लैंडिंग से आसपास के लोगों में कौतूहल व्याप्त हो गया और मौके पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान गोपाल गोशाला के संचालकों ने सैनिकों से अचानक लैंडिंग का कारण पूछा और उनकी मदद की भी बात कही। जिस पर सैनिकों ने कहा कि हेलीकॉप्टर में तकनीकी समस्या आने से अचानक लैंडिंग की गई है। हालांकि उन्होंने सुरक्षा कारणों से किसी भी प्रकार की कोई जानकारी साझा नहीं की। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि हेलीकॉप्टर कहां से आ रहे थे और किस दिशा की ओर जा रहे थे। इस इमरजेंसी लैंडिंग की सूचना पुलिस को भी दी गई, लेकिन जब तक पुलिस मौके पर पहुंची तब तक दोनों हेलीकॉप्टर फिर से उड़ान भर चुके थे।

मौके पर मौजूद गोशाला संचालक ओमप्रकाश मोदी ने बताया कि जब हेलीकॉप्टर गोशाला में उतरे उस समय वे गोशाला में ही मौजूद थे। अचानक लैंडिंग के बाद उन्होंने जवानों से कारण जानने का प्रयास किया। मगर उन्होंने सुरक्षा कारणों से कोई जानकारी नहीं दी।

अजमेर सांसद ने ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

जयपुर-हैदराबाद ट्रेन का किशनगढ़ में ठहराव, यात्रियों को मिलेगी सुविधा

बेधड़क | जयपुर

उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर मंडल पर यात्रियों की सुविधा के लिए जयपुर-हैदराबाद-जयपुर एक्सप्रेस रेलसेवा का किशनगढ़ रेलवे स्टेशन पर ठहराव किया गया है। इससे क्षेत्रवासियों को परिवहन सुविधा का अच्छा लाभ मिलेगा।

शुक्रवार को यह गाड़ी जयपुर-हैदराबाद एक्सप्रेस रेलसेवा को अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी ने किशनगढ़ रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। क्षेत्रवासियों ने सांसद और ट्रेन लोको पायलट और रेलवे

अधिकारियों को माला व मुंह मिठा कराकर खुशियां जाहिर की। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कृष्ण कुमार मीना के अनुसार गाड़ी संख्या 12719, जयपुर-हैदराबाद एक्सप्रेस रेलसेवा शुक्रवार से किशनगढ स्टेशन पर शाम 4.41 बजे आएगी और 4.43 बजे जाएगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 12720, हैदराबाद-जयपुर एक्सप्रेस रेलसेवा मार्च से किशनगढ स्टेशन पर सुबह 03.30 बजे आएगी व 03.32 बजे जाएगी।

संदेशखाली कांड के विरोध में नारेबाजी

ममता सरकार के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन

बेधड़क | अजमेर

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और संदेशखाली के टीएमसी नेता शाहजहां शेख के खिलाफ शुक्रवार को अजमेर में भाजपाइयों ने विरोध प्रदर्शन किया। जिला मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन करते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं ने बंगाल की सीएम ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के नेता शाहजहां शेख के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

दरअसल, पश्चिम बंगाल की संदेशखाली में महिलाओं से यौन शोषण और अत्याचार के साथ ही जबरन जमीन कब्जाने के मामले के आरोपी शाहजहां शेख के खिलाफ पूरे देश में गुस्सा है।

भाजपा ने इस मुद्दे को लेकर देश के हर कोने में विरोध प्रदर्शन किया। इसी कड़ी में शुक्रवार को धार्मिक पर्यटन नगरी अजमेर में भी भाजपा के शहर और देहात कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से जिला मुख्यालय के बाहर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में शामिल अजमेर लोकसभा सांसद भागीरथ चौधरी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में जंगलराज है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ का नारा दिया। महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण दिया जा रहा है। नारी शक्ति का वंदन किया जा रहा है तो वहीं, पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जो खुद महिला हैं, उनके शासन में महिलाओं के साथ सरेआम दुष्कर्म और हत्याएं की जा रही हैं। सांसद भागीरथ चौधरी ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी बनर्जी पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। साथ ही बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने और सीएम के पद से ममता बनर्जी को बर्खास्त करने की मांग की। उन्होंने कहा कि संदेशखाली कांड के बाद से ही देश के युवाओं में जबरदस्त आक्रोश है।

शिक्षकों पर हुई कार्रवाई के खिलाफ किया उग्र प्रदर्शन

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के खिलाफ सड़क पर उतरा दलित समाज

बेधड़क | बूंदी

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर द्वारा शिक्षकों पर की गई सख्त कार्रवाई के विरोध में शुक्रवार को बूंदी में दलित समाज ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प भी हुई। जानकारी के अनुसार बीते दिनों शिक्षा मंत्री ने बारां, सांगोद में कुछ शिक्षकों को निलंबित करने के आदेश दिए थे।

दरअसल, बारां जिले के लकड़ाई राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में सरस्वती पूजा नहीं करने के मामले में एक शिक्षिका हेमलता बैरवा को निलंबित कर दिया गया है। शिक्षिका बैरवा पर यह कार्रवाई शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के निर्देश पर हुई है। इस कार्रवाई का विरोध करते हुए बूंदी जिले के

दलित समाज ने शुक्रवार को सड़कों पर उतर कर विरोध प्रदर्शन किया। केशवरायपाटन विधायक सीएल प्रेमी की अगुवाई में किए गए प्रदर्शन में दलित समुदाय ने शिक्षा मंत्री को बर्खास्त करने की मांग की।

सरस्वती पूजा नहीं करने पर हुई थी कार्रवाई

विधायक सीएल प्रेमी ने बताया कि बारां जिले के लकड़ाई राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में 26 जनवरी को सरस्वती की पूजा नहीं करने के मामले को लेकर स्थानीय विद्यालय के दो अध्यापकों और ग्राम वासियों ने मिलकर शिक्षिका हेमलता बैरवा का अपमान कर अभद्रता की गई थी। घटना के विरुद्ध हेमलता बैरवा द्वारा धारा 3 के तहत पुलिस में मुकदमा दर्ज करवाया गया था, मगर उस पर कार्रवाई नहीं करते हुए राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के इशारे पर जिला शिक्षा अधिकारी बांरा द्वारा हेमलता बैरवा को निलंबित कर दिया गया।

शिक्षकों पर कार्रवाई नाकाबिले बर्दाश्त

प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के अध्यापकों को भी निलंबित किया गया, जो कतई बर्दाश्त योग्य नहीं है। उन्होंने कहा कि शिक्षिका हेमलता बैरवा ओर सांगोद इलाके के शिक्षकों पर की गई कार्यवाही के विरोध में समस्त अनुसूचित जाति जनजाति ओबीसी वर्ग के लोगों द्वारा सहित संपूर्ण राजस्थान में बैरवा समाज ने हेमलता बैरवा के साथ हुई घटना से सम्पूर्ण दलित समाजो में रोष व्याप्त है। प्रदर्शन में बूंदी जिले के बैरवा समाज, बलाई समाज, रैगर समाज,अंबेडकर कल्याण समिति, भीम आर्मी शिक्षक संघ अंबेडकर से जुड़े लोग बड़ी संख्या में शामिल थे। बूंदी के साथ-साथ कोटा में भी शिक्षिका हेमलता बैरवा के समर्थन में दलित समाज के लोग सड़कों पर सरकार के खिलाफ उतर आए। कोटा में एसी कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने सड़क पर आकर भाजपा सरकार के ख़िलाफ़ विरोध प्रदर्शन किया। कोटा कलेक्टेट पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं नेताओं ने सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद की।

पुलिस अधिकारियों से हुई तीखी नोकझोंक

प्रदर्शन के दौरान कलेक्ट्रेट में प्रवेश को लेकर पुलिस से प्रदर्शनकारियों की तीखी नोकझोंक भी हुई। हालांकि पुलिस ने उन्हें कलेक्ट्रेट में घुसने नहीं दिया। इसी बीच प्रदर्शनकारियों ने शिक्षा मंत्री मुर्दबाद के नारे लगाए। बाद में पुलिस अधिकारियों ने विधायक सीएल प्रेमी की अगुवाई में 11 सदस्य प्रतिनिधि मंडल को ज्ञापन देने अंदर भेजा। प्रदर्शन के समय सिटी सीओ नरेंद्र पारीक, कोतवाल तेजपाल सैनी, सदर थानाधिकारी भगवान सहाय भारी भरकम पुलिस जाप्ते के साथ तैनात थे।

शंकरा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स में आयोजित हुई 'शंकरा ग्लोबल हैकाथॉन'

प्रौद्योगिकी, शोध और नवाचारों से राष्ट्र का निर्माण करें विद्यार्थी

बेधड़क | जयपुर

राज्यपाल कलराज मिश्र ने युवाओं का आह्वान किया कि वे 'विकसित भारत@2047' की संकल्पना के अंतर्गत सभी क्षेत्रों में भारत को अग्रणी करने में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लिए शिक्षा के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी और उद्यमिता की बड़ी भूमिका होगी।

शिक्षण संस्थान इसी अनुरूप भविष्य की दृष्टि के लिए कार्य करें। मिश्र शंकरा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स द्वारा आयोजित 'शंकरा ग्लोबल हैकाथॉन' में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने हैकाथॉन को महत्वपूर्ण बताते हुए

कहा कि इससे युवाओं को उनकी आवश्यकताओं के अनुकूल उद्यमिता के लिए प्रेरित किया जा सकेगा। उन्होंने प्रौद्योगिकी, शोध और अनुसंधान तथा नवाचारों का सही इस्तेमाल राष्ट्र निर्माण में लिए किए जाने पर जोर दिया। इससे पहले उन्होंने तकनीकी शिक्षा से जुड़ी यूनिवर्सिटी की ओर से प्रकाशित 'टेक्नीकोन' पत्रिका और हिंदी में कृषि विषयक पत्रिका 'किसान इन्टरनेशनल' का लोकार्पण किया। 'शंकरा ग्लोबल हैकाथॉन' में देशभर के तकनीकी संस्थानो, विभिन्न विश्वविद्यालयों, आईआईटी, एनआईटीज के आचार्य और विद्यार्थी भाग ले रहे हैं।

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का किया सम्मान

राज्यपाल ने हैकाथॉन' में शैक्षणिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों, इनोवेशन और स्टार्टअप से जुड़े विभिन्न आयोजनों में देश भर में उम्दा प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया। एसके चौधरी शिक्षा न्यास के अध्यक्ष एस चौधरी ने बताया कि देशभर से इस आयोजन में तीन सौ से अधिक शिक्षण संस्थानों के युवा अपने स्टार्टअप, नवाचारों के साथ सूचना प्रौद्योगिकी के साथ सम्मिलि हुए हैं। इस अवसर पर राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति एसके सिंह, कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के प्रो.

बलराज सिंह, पोलैंड, लिथुनिया आदि विश्वविद्यालयों के कुलपति, शिक्षाविदों ने तकनीक के जरिए शैक्षिक विकास के संबंध में विचार रखे।

Yuva स्टोरीज

धर्मशास्त्रों का अनुसरण करती है आधुनिक हिन्दू विधि

बेधड़क | जयपुर

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर परिसर में धर्मशास्त्र विद्या शाखा की ओर से 'आधुनिक हिन्दुविधौ धर्मशास्त्रस्य प्रभावः' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. सुदेश कुमार शर्मा ने की। संगोष्ठी में पूर्व निदेशक प्रो. भगवती सुदेश, राजस्थान विश्वविद्यालय के विधि विभाग के प्राचार्य प्रो. जीएस राजपुरोहित तथा राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. भगवान सहाय शर्मा उपस्थित रहे। संगोष्ठी की मुख्य अतिथि राजस्थान महिला आयोग की रजिस्ट्रार जिला न्यायाधीश बृजमाधुरी शर्मा ने बताया कि आधुनिक हिन्दू विधि भी धर्म का अनुसरण करती है। जैसा कि सर्वोच्च न्यायालय का ध्येय वाक्य 'यतो धर्मस्ततो जयः' भी है। विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के धर्मशास्त्र विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. कमलनयन शर्मा ने कहा कि वर्तमान न्याय व्यवस्था और शासन व्यवस्था से पूर्व भी धर्मशास्त्र प्रतिपादित न्याय व्यवस्था केवल भारतवर्ष में दिखाई देती है। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर परिसर के निदेशक प्रो. सुदेश कुमार शर्मा ने बताया कि धर्म ही आधुनिक हिन्दुविधि का मूल आधार है। संगोष्ठी संयोजिका धर्मशास्त्र विद्या शाखा की समन्वयक प्रो. कृष्णा शर्मा ने हिन्दू विधि के पुरातन और नवीन स्वरूप पर प्रकाश डाला। संचालन डॉ. अंकित दाधीच ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुब्रत साहू ने किया। संगोष्ठी में प्रो. वाई एस रमेश, प्रो. विष्णुकांत पांडेय, डॉ. रानी दाधीच, डॉ. विनी शर्मा, डॉ. नमिता मित्तल, डॉ. लक्ष्मण पाढी, डॉ. अंजलि गौतम, डॉ. किरण खींची, डॉ. सुरेश गुप्ता एवं छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

छात्रों ने सहेजा विज्ञान का ज्ञान

जयपुर। निर्वाण विश्वविद्यालय जयपुर में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर केंद्रीय पुस्तकालय 'ज्ञान धारा' की ओर से विज्ञान पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई गई। गौरतलब है कि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर निर्वाण विश्वविद्यालय के चेयरमेन डॉ. एसएल सिहाग, सीईओ एंड वाईस चेयरमेन डॉ. आर के अरोड़ा एवं कुलपति प्रो. अरविंद कुमार अग्रवाल ने इस प्रदर्शनी के लिए पुस्तकालय विभाग की प्रशंसा की। सभी संकायों के डीन, हैड और शिक्षकों ने इस प्रदर्शनी में भाग लिया। निर्वाण विश्वविद्यालय की पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. रीना आनंद ने जानकारी दी की राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर लगाई गई प्रदर्शनी में विज्ञान की पुस्तकें और विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए विज्ञान के विभिन्न मॉडल सभी दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र थी।

आरुषि को पोस्टर प्रस्तुति में दूसरा पुरस्कार

बेधड़क | जयपुर

आईआईएस जयपुर की माइक्रोबायोलॉजी और बायोटेक्नोलॉजी विभाग की प्रो. श्रीमोयी चटर्जी और प्रो. निधि गुप्ता के निर्देशन में रिसर्च स्कॉलर आरुषि भारद्वाज ने पोस्टर प्रस्तुति में दूसरा पुरस्कार हासिल किया है। यह पुरस्कार उन्हें गत दिनों हुए तीन दिवसीय राजस्थान विज्ञान महोत्सव युवा वैज्ञानिक सम्मेलन एवं विज्ञानिका में दिया गया। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, राजस्थान की तरफ से साइंस पार्क में हुए इस कार्यक्रम में भारत के युवाओं में वैज्ञानिक भावना को बढ़ावा देने और स्वदेशी योगदान की सराहना के महत्व पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग राज्य मंत्री संजय शर्मा और शिक्षा मंत्री (स्कूल) मदन दिलावर समेत कई अन्य लोग मौजूद थे।

स्पिक मैके की ओर से शहनाई वादन कार्यक्रम

शहनाई के सुरों में डूबे स्टूडेंट्स, जाना इतिहास

बेधड़क | जयपुर

स्पिक मैके के जयपुर चैप्टर की ओर से युवाओं के बीच भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए शहनाई वादन के सर्किट में शुक्रवार को कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय और मणिपाल यूनिवर्सिटी में शहनाई वादन के कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रसिद्ध शहनाई वादक संजीव शंकर एवं अश्विनी शंकर ने अपने गुरु स्वर्गीय पंडित श्री रवि शंकर जी द्वारा रचित वंदना "हे नाथ हम पर कृपा कीजिए" से कार्यक्रम की शुरूआत की।

सभागार में श्रोताओं के रूप में मौजूद छात्राओं एवं शिक्षिकाओं से भी इसे दोहराकर माहौल को संगीतमय बना दिया। जयपुर चैप्टर कोऑर्डिनेटर डॉ. मृणाली कांकर ने बताया कि संजीव शंकर एवं अश्विनी शंकर ने कार्यक्रम में राग रामकली और राग भैरवी पर ठुमरी

का शहनाई वादन कर सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। उन्होंने शहनाई वादन की बारीकियां, शहनाई के इतिहास के बारे में समझाते हुए शहनाई वादन कर सभी का मन मोह लिया। उनके साथ तबले पर अभिषेक मिश्रा ने संगत दी।

कार्यक्रम में स्पिक मैके जयपुर चैप्टर के अजीत पंडित मौजूद रहे। प्रदर्शन के बाद में विद्यार्थियों ने कलाकारों से संवाद भी किया व गहन जानकारियां प्राप्त की। कार्यक्रम में बाहर से पधारे हुए शिक्षक, कलाकार व अन्य संगीत रसिकों की मौजूदगी रही। कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय तथा मणिपाल यूनिवर्सिटी में बड़ी संख्या में विद्यार्थी और शिक्षक- शिक्षिकाएं इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

कलाकारों का स्वागत करते हुए स्वागत उद्बोधन कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ सीमा अग्रवाल ने दिया। उन्होंने स्पिक मैके संस्था के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को इस तरह की गतिविधियों का महत्व समझाया। यह सर्किट 27 फरवरी को अलवर से शुरू होकर धौलपुर व जयपुर में विभिन्न शिक्षण संस्थानों में संचालित किया गया एवं जयपुर में सभी कार्यक्रमों के साथ शहनाई वादन के सर्किट का समापन हुआ। जयपुर में इस प्रकार के सर्किट आगे भी आयोजित किए जाएंगे।

NSS शिविर में किया निशुल्क इलाज

जयपुर। कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर के पांचवे दिन गोद ली हुई लाल कुंडा बस्ती, झालाना में नेशनल यूनिवर्सिटी मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के सहयोग से निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बस्ती के गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए निःशुल्क जांच एवं परामर्श कर विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की जांच की गई और उपचार प्रदान किया गया। सामान्य रोग विशेषज्ञ, मनोरोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, कान नाक गला रोग विशेषज्ञों ने शिविर में सेवाएं प्रदान की। स्वयंसेविकाओं ने बस्ती में घर-घर जाकर प्राथमिक चिकित्सा उपचार और बुनियादी जीवन सहायता के बारे मे शिक्षा और जागरूकता प्रदान की। बस्तीवासियों को आपातकालीन स्थितियां जैसे सीजर्स के लिए प्राथमिक चिकित्सा, रक्त-बहाव और सीपीआर प्राथमिक उपाय जैसी महत्वपूर्ण चिकित्सा तकनीकों के बारे मे शिक्षित किया

गया। स्वयंसेविकाओं ने शिक्षा के महत्व पर नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति भी दी। इससे लोगों को शिक्षा के प्रति जागरूकता मिली। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल एवं उप-प्राचार्य डॉ. सुनीता माथुर (वाणिज्य) ने शिविर में स्वयंसेविकाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस चिकित्सा शिविर के माध्यम से सामाजिक गरीब और जरूरतमंद लोगों की चिकित्सकीय सहायता व शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाई गई। राष्ट्रीय साप्ताहिक हाट बाजार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रहलाद कुमार एवं बस्ती निवासी राजेंद्र की इस शिविर में महत्वपूर्ण भूमिका रही। शिविर का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आंचल पुरी, विजयलक्ष्मी गुप्ता, डॉ. रेणु शक्तावत और महिमा रामचंदानी के नेतृत्व में किया गया।

वीजीयू में वर्कशॉप

समझा इलेक्ट्रिक वाहनों का मैकेनिज्म

बेधड़क | जयपुर

स्टूडेंट्स के हुनर को तराशने के लिए विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सटी में इलेक्ट्रिक वाहनों की 14 घंटे लंबी कार्यशाला का आयोजन किया गया। वर्कशॉप में विभिन्न प्रकार के प्रैक्टिकल प्रोजेक्ट्स की जानकारी स्टूडेंट्स को दी गई। टेक्नोसिस इंस्ट्रूमेंट्स के सौरभ देव ने एक साइकिल को इलेक्ट्रिक साइकिल में कन्वर्ट करके विद्यार्थियों को उसकी मैकेनिज्म से अवगत कराया। इलेक्ट्रिकल एवं मैकेनिकल विभाग के 100 से अधिक विधार्थियों ने इस कार्यशाला में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया । डीन इंजीनियरिंग प्रो. बलदेव सिंह ने छात्रों को आज के युग के हिसाब से तैयार होने के लिए प्रोत्साहित किया। सीईओ ओमकार बगड़िया ने बताया कि संस्था एंटरप्रेन्योरशिप को प्रमोट करने के लिए समय समय पर ऐसी कार्यशालाओं का आयोजन करती रहती है।

मनी लॉन्ड्रिंग पर अभिजीत की पुस्तक का विमोचन

बेधड़क | जयपुर

अभिजीत शर्मा द्वारा लिखित 'मनी लॉन्ड्रिंग प्रिवेंशन लॉ एंड प्रैक्टिस बुक' की लॉन्चिंग रिटायर्ड सुप्रीम कोर्ट जज अजय रस्तोगी की मौजूदगी में जयपुर के नेहरू भवन में आयोजित कार्यक्रम में हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट के चीफ एडिटर सुरेंद्र मलिक, जस्टिस एमएन भंडारी, जस्टिस समीर जैन, राजस्थान हाईकोर्ट से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया राजदीप रस्तोगी कार्यक्रम में मौजूद रहे। अभिजीत शर्मा ने बताया कि आज के दौर में ईडी काफी चर्चाओं में है। ऐसे में कानूनी रूप क्या है, कानून क्या कहता है, यह इस पुस्तक के माध्यम से बताने की कोशिश की गई है। पुस्तक में प्रमुख संवैधानिक संस्थाओं के नियम, गाइडलाइंस आदि का भी उल्लेख किया गया है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया राजदीप रस्तोगी ने इस मौके पर कहा कि मनी लॉन्ड्रिंग का कॉन्सेप्ट यह है कि अपराध से कमाई हुई इनकम को इकोनॉमी की मुख्य धारा में जोड़ने से रोकना है।

निरीक्षण | **शिक्षा मंत्री ने लापरवाह शिक्षकों को चेताया**

धार्मिक कार्य के बहाने 'बंक' नहीं मार सकेंगे शिक्षक

बेधड़क | जयपुर

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने शुक्रवार को कहा कि कोई भी अध्यापक विद्यालय समय के दौरान धार्मिक कार्यों का बहाना बनाकर स्कूल नहीं छोड़ सकेगा, ऐसा करने वाले शिक्षकों के विरुद्ध निलंबन या बर्खास्त करने तक की कार्यवाही की जाएगी। साथ ही विद्यालय में गलत कार्य करने वाले शिक्षकों की अवैध संपत्ति और मकानों पर बुलडोजर चलाया जाएगा।

शिक्षामंत्री शुक्रवार को सीकर दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने धोद के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय माजीपुरा में सरस्वती प्रतिमा का अनावरण किया तथा विश्व भारती कॉलेज सीकर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत राष्ट्रीय

एकता शिविर का शुभारंभ किया। दिलावर ने माजीपुरा में सरस्वती प्रतिमा के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार का समावेशन बहुत जरूरी है। यह हमें अच्छा और जिम्मेदार नागरिक बनाता है। उन्होंने कहा कि बोर्ड की प्रायोगिक परीक्षा में विद्यार्थी की तैयारी और ज्ञान के आधार पर ही नंबर दिए जाएं तथा इस संबंध में लापरवाही करने वाले शिक्षकों के खिलाफ विभागीय नियमों के तहत कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने स्टेज पर स्वयं सूर्य नमस्कार कर इसकी सभी विधाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने भी सूर्य नमस्कार कर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। इस दौरान दिलावर ने विद्यालय के शैक्षणिक उपलब्धियां प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विधायक गोवर्धन वर्मा सहित जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं आमजन उपस्थित थे।

राष्ट्रीय एकता शिविर का किया शुभारंभ

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सीकर स्थित विश्व भारती कॉलेज में युवा मामले एवं खेल विभाग भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत होने वाले 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमें पर्यावरण का ध्यान रखना चाहिए तथा इसे नुकसान नही पहुंचना चाहिए तथा हमारे आसपास स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए। इस दौरान उन्होंने कहा की पुलिस प्रशासन की मदद से विद्यालयों में गलत कार्य करने शिक्षकों की लिस्ट तैयार की जा रही है। गलत कार्य करने वाले शिक्षकों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। कार्यक्रम के क्षेत्रीय निदेशक एसपी भटनागर ने 1 से 7 मार्च 2024 तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय एकता कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी।

‘ट्रैक्टर’ नीति पर भी सरकार का दोहरा मापदंड

निर्मल रानी
स्वतंत्र लेखिका

एक बार फिर देश किसान आंदोलन का सामना कर रहा है। हर बार की तरह इस बार भी किसानों ने ट्रैक्टर को ही अपना ‘सारथी’ चुना है। दरअसल आंदोलन के दौरान ट्रैक्टर व उससे जुड़ी ट्रॉली केवल किसानों को उनके आंदोलन स्थल तक लाने ले जाने का ही काम नहीं करता, बल्कि आंदोलन स्थल पर किसान इसे अपने चलते फिरते घरों की तरह भी इस्तेमाल करते हैं। आंदोलन लंबा खिंचने की स्थिति में यही ट्रैक्टर और उनमें लगी ट्राली उनके अस्थाई घर और गोदाम के रूप में भी काम करती है। राशन से लेकर कपड़ा, कंबल, ईंधन आदि सभी सामग्री इन चलते फिरते ‘डिपो’ में रखी जाती है। किसान हमेशा से ही ट्रैक्टर को अपनी खेती किसानी के सबसे मुख्य साधन के रूप में प्रयोग करता आ रहा है। इसी ट्रैक्टर से किसान अपनी फसल बाजार में पहुंचता है। खाद बीज आदि इसी पर लाद कर लाता ले जाता है। जुताई बुवाई के अलावा भी खेतों में इसके और भी कई काम होते हैं। चूंकि ट्रैक्टर किसानों व कृषि के मुख्य साधन की श्रेणी में आता है इसलिए सरकार ने यातायात के कानूनों में इसके लिए अनेक अलग प्रावधान किए हैं। इसे कृषि प्रसाधन की श्रेणी में रखा गया है न कि यातायात के वाहन की श्रेणी में। इसीलिए इससे संबंधित यातायात नियमों व यातयायत शुल्क, मार्ग कर आदि में कई तरह की विशेष छूट भी दी गई हैं।

बावजूद इसके कि ट्रैक्टर यातायात के वाहनों की श्रेणी में नहीं आता फिर भी क्या नेता तो क्या प्रशासन, क्या किसान तो क्या आम लोग सभी इसका उपयोग अपनी सुविधानुसार करते हैं। देश का कोई भी चुनाव बिना ट्रैक्टर ट्रॉली का इस्तेमाल किए संभव ही नहीं। नेताओं की चुनावी रैलियों में भीड़ इकट्ठी करने से लेकर उनके चुनावी जुलूसों की लम्बाई बढ़ाने में, चुनाव प्रचार और अंत में मतदाताओं को घरों से निकालकर पोलिंग स्टेशन तक पहुंचाने और बाद में उनके विजय जुलूस तक में ट्रैक्टर ट्रॉली जमकर इस्तेमाल की जाती है। राजस्थान व पंजाब जैसे राज्यों में तो कई जगह ट्रैक्टर की इन्हीं ट्रॉलियों को आपस में जोड़कर बड़ी से बड़ी स्टेज बना दी जाती है जिन पर मुख्यमंत्री स्तर के नेता भाषण देते हैं। उस समय शायद प्रशासन अपनी आंखें मूंदे रहता है। उस समय उसे यह नहीं नजर आता कि ट्रैक्टर सिर्फ खेती का साधन है यातायात या राजनैतिक इस्तेमाल का नहीं। इसी तरह गांव के शादी ब्याह आदि किसी भी समारोह में ट्रैक्टर का इस्तेमाल परिवार के लोगों व सामानों को लाने ले जाने में खूब किया जाता है।

> *“राजस्थान व पंजाब जैसे राज्यों में तो कई जगह ट्रैक्टर की इन्हीं ट्रॉलियों को आपस में जोड़कर बड़ी से बड़ी स्टेज बना दी जाती है जिन पर मुख्यमंत्री स्तर के नेता भाषण देते हैं। उस समय शायद प्रशासन अपनी आंखें मूंदे रहता है। उस समय उसे यह नहीं नजर आता कि ट्रैक्टर सिर्फ खेती का साधन है यातायात या राजनैतिक इस्तेमाल का नहीं। इसी तरह गांव के शादी ब्याह आदि किसी भी समारोह में ट्रैक्टर का इस्तेमाल परिवार के लोगों व सामानों को लाने ले जाने में खूब किया जाता है।”*

इसी तरह देश के अनेक राज्यों में ट्रैक्टर का प्रयोग धार्मिक समागम या तीर्थ स्थलों की यात्रा करने या वहां होने वाले समागमों में भाग लेने के लिए खुले तौर पर किया जाता है। कई धार्मिक मेले व समागम तो इतने विशाल होते हैं कि सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर विशेष बसें चलाने के बावजूद तीर्थयात्रियों का सुगम आवागमन संभव नहीं हो पाता। उस समय केवल ट्रैक्टर ट्रॉलियां ही इस अंतर को पूरा कर पाती हैं। पंजाब व हरियाणा के होला मोहल्ला और कपाल मोचन जैसे प्रमुख मेलों की तो ट्रैक्टर ट्रॉली के इस्तेमाल के बिना कल्पना ही नहीं की जा सकती। किसान को प्रायः ख़ुद अपनी पारिवारिक जरूरतों के लिए भी ट्रैक्टर ट्रॉली का इस्तेमाल करना पड़ता है। लेकिन उस समय कभी भी सरकार द्वारा न तो ट्रैक्टर के चालान किए जाते हैं न ही उन्हें यातायात के कानून याद दिलाए जाते हैं।

परन्तु जब जब किसानों द्वारा इन्हीं ट्रैक्टर ट्रॉलीज का प्रयोग किसान आंदोलन में अपने आने जाने व सामान आदि रखने या इसमें विश्राम करने की गरज से किया जाता है केवल उसी समय सरकार को किसानों को ट्रैक्टर ट्रॉली संबंधी नियमों की याद आती है। सोचने का विषय है जो किसान नेताओं के जुलूस रैलियों से लेकर चुनाव संपन्न करने तक व धर्मस्थलों से लेकर बड़े-बड़े धार्मिक व राजनैतिक समागमों में अपने इस कृषि संसाधन का प्रयोग करने के लिए लोगों को उपलब्ध करता हो, वही किसान अपने कृषि किसानी के अस्तित्व की रक्षा के लिए चलाए जाने वाले आंदोलनों में इसका प्रयोग क्यों नहीं कर सकता? पिछले दिनों हरियाणा पंजाब की सीमा पर लगते शम्भू व खनोरी बॉर्डर पर पंजाब से दिल्ली जाने वाले किसानों के काफिले को पुलिस द्वारा रोका गया। उस समय कुछ दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं भी घटीं। इसी दौरान पुलिस की एक उच्चाधिकारी की ओर से किसानों को संबोधित एक वीडिओ जारी कर यही कहा गया कि उच्च न्यायालय व उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार पुलिस किसानों को ट्रैक्टर ट्रॉलियों का इस्तेमाल मुख्य मार्ग पर यातायात के साधन के रूप में नहीं करने देगी। इसका मतलब तो साफ है कि सरकार हर जगह तो ट्रैक्टर संबंधी यातायात नियमों की अनदेखी कर सकती है, परन्तु किसान आंदोलन में किसानों को वही क़ानून याद दिलाए जाते है? ‘ट्रैक्टर’ नीति पर अपनाए जाने वाले इस दोहरे मापदंड का मतलब साफ है कि सरकार किसानों के इस संसाधन से डरती और घबराती है? शायद यही वजह है कि प्रशासन को सिर्फ किसान आंदोलन के समय ही ट्रैक्टर संबंधी यातायात कानून आते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

औपनिवेशिक काल के आपराधिक कानूनों की जगह...

अब देश में भारतीय न्याय संहिता!

अशोक ‘प्रवृद्ध’
स्वतंत्र टिप्पणीकार

> *“जनवरी के पहले सप्ताह में हिट एंड रन से जुड़े मामले में सजा और जुर्माने के प्रावधान के विरोध में देश भर में बस, ट्रक और अन्य ड्राइवर हड़ताल पर चले गए थे। इस कारण देश भर में आवाजाही प्रभावित हुई थी और सभी जरूरी सामानों की आपूर्ति बाधित हो गई थी। विरोध के बढ़ते स्वर को समझते हुए केंद्र सरकार ने तब हड़ताल करने वाले यूनियन से कहा था कि वह हिट एंड रन से जुड़े मामले को ड्राइवर यूनियन से चर्चा के बाद लागू करेगा इसके बाद हड़ताल पर विराम लगा था।”*

भारत के परंतन्त्रता काल अर्थात औपनिवेशिक युग के प्रतीकों, ऐतिहासिक दुराग्रहों व राजदंडों से मुक्ति का सिलसिला जारी है। भारत, भारतीय और भारतीयता के समर्थकों द्वारा औपनिवेशिक युग के कानूनों से मुक्ति की दशकों पुरानी की मांग के अनुरूप अब सरकार ने अधिसूचना जारी कर कहा है कि ब्रिटिश काल में निर्मित औपनिवेशिक युग की प्रतीक भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम (एविडेंस एक्ट) आदि कानून अब बदल जाएंगे। देश में आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह से बदलने के लिए तीन नए कानून- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम अधिसूचित किए गए हैं, जो एक जुलाई 2024 से लागू होंगे। बीते वर्ष 2023 के अगस्त माह में मानसून सत्र के आखिरी दिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में नए आपराधिक कानूनों से जुड़े तीन बिल पेश किए थे। जिसे संसद की स्थायी समिति को भेज दिए गए थे।

स्थायी समिति द्वारा संदर्भित परिवर्तनों को शामिल करने के लिए इन विधेयकों को वापस ले लिया गया था। बाद में स्थायी समिति द्वारा संदर्भित परिवर्तनों को शामिल कर केंद्र सरकार ने गत शीतकालीन सत्र में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को फिर से पेश किया। तीनों कानूनों को संसद के शीतकालीन सत्र में पिछले वर्ष 21 दिसम्बर को संसद की मंजूरी मिल गई और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 25 दिसम्बर को इन कानूनों को अपनी सहमति प्रदान कर दी। सरकार ने 24 फरवरी शनिवार को इससे जुड़ी अधिसूचना जारी कर दी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचनाओं के अनुसार नए कानूनों के प्रावधान एक जुलाई से लागू होंगे। तीनों कानूनों का उद्देश्य विभिन्न अपराधों को परिभाषित करके उनके लिए सजा तय करके देश में आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह से बदलना है। इस संबंध में जारी अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि केंद्र सरकार ने हिट एंड रन से जुड़े अपराध के लिए प्रावधानित

भारतीय न्याय संहिता की धारा-106 (2) को फिलहाल स्थगित कर दिया है। अर्थात धारा-106 (2) फिलहाल लागू नहीं होगा।

यह भी हर्ष की बात है कि जारी अधिसूचना में भारतीय परतंत्रता काल की याद दिलाने वाली पुराने औपनिवेशिक काल के कई शब्दावलियों को हटा दिया गया है। ऐसे करीब 475 शब्दों को हटा दिया गया अर्थात डिलीट किया गया है, जिनमें लंदन गजट, ज्यूरी, हर हैनिस आदि शामिल हैं। पहले से चर्चित धाराएं, 420 अर्थात धोखाधड़ी, दफा 302 अर्थात हत्या व 376 अर्थात बलात्कार जैसे अपराध के लिए कानून की किताब में लिखी धाराएं अब बदल गई है। नए कानून में हत्या के लिए लगाई जाने वाली भारतीय दंड संहिता की धारा 302 अब धारा 101 कहलाएगी। ठगी के लिए लगाई जाने वाली धारा 420 अब धारा 316 होगी। हत्या के प्रयास के लिए लगाई जाने वाली धारा 307 अब धारा 109 कहलाएगी। वहीं दुष्कर्म के लिए लगाई जाने वाली धारा 376 अब धारा 63 होगी। नई भारतीय न्याय संहिता में कुल 358 धाराएं हैं, और उसमें 20 नए अपराध को परिभाषित किया गया है। जिनमें स्नेचिंग से लेकर मॉब लिंचिंग तक को शामिल किया गया है। मॉब लिंचिंग और नफ़रती अपराध के लिए पूर्व की न्यूनतम सात वर्ष की सजा की अवधि को सात वर्ष से बढ़ाकर आजीवन कारावास कर दिया गया है। इसी तरह 33 अपराधों में सजा को बढ़ाया गया है। 83 धाराओं अथवा अपराध में जुर्माने की राशि भी बढ़ा दी गई है। ऐसे 23 अपराध हैं, जिनमें न्यूनतम सजा का जिक्र नहीं था, जिसमें न्यूनतम सजा को शुरू किया गया है। 19 धाराओं को हटा दिया गया है। साथ ही सजा के तौर पर सामाजिक व सामुदायिक सेवा को भी रखा गया है। पहले यह नहीं था। राजद्रोह जैसे अपराध को अब नए कानून में हटा दिया गया। भारतीय नागरिक संहिता की धारा-113 में आतंकवाद से संबंधित परिभाषा और सजा का प्रावधान है। इसमें आर्थिक सुरक्षा को खतरा भी आतंकवादी गतिविधि के अंतर्गत रखा गया है। तस्करी अथवा नकली नोटों का उत्पादन करके वित्तीय स्थिरता को नुकसान पहुंचाना भी आतंकवादी अधिनियम के अंतर्गत आएगा। अब भारत में रक्षा और सरकारी उद्देश्य के लिए विदेश में अवस्थित संपत्ति को नष्ट करना भी एक आतंकवादी गतिविधि होगी। भारत में सरकारों को कुछ भी करने पर मजबूर करने के लिए किसी व्यक्ति को हिरासत में लेना या अपहरण करना भी एक आतंकवादी गतिविधि होगी। नए कानून में अदालती कार्यवाही प्रकाशित करने पर सजा का प्रावधान किया गया है। नए प्रावधान के अनुसार जो कोई भी बलात्कार के मामलों में अदालती कार्यवाही के संबंध में अदालत की अनुमति के बिना कुछ भी प्रकाशित करेगा, उसे दो वर्ष तक की जेल हो सकती है और जुर्माना लगाया जा सकता है। इसी तरह दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) में जहां पूर्व में कुल 484 धाराएं थीं, वहीं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में 531 धाराएं हैं। कुल 177 ऐसे प्रावधान हैं, जिसमें संशोधन हुआ है। 9 नई धाराएं व कुल 39 उपधाराएं जोड़ी गई हैं। और 14 धाराओं को निरस्त कर दिया गया है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में सबूतों के मामले में ऑडियो-विडियो इलेक्ट्रॉनिक्स तरीके से जुटाए जाने वाले सबूतों को प्रमुखता दी गई है। नए कानून में किसी भी अपराध के लिए जेल में अधिकतम सजा काट चुके कैदियों को उसके निजी बांड पर रिहा करने का प्रावधान रखा गया है। वहीं भारतीय साक्ष्य अधिनियम में कुल 170 धाराएं होंगी । पहले के इंडियन एविडेंस एक्ट के तहत कुल 167 धाराएं थी। 6 धाराओं को निरस्त किया गया है और 2 नई धाराएं व 6 उप धाराओं को जोड़ा गया है। ऐसा प्रावधान किया गया है कि गवाहों की सुरक्षा के लिए कानून बनेगा।

वकालत कर रहे देश के बड़े वकीलों के अनुसार नए आपराधिक कानून लागू होने की जो तारीख निर्धारित की गई है, उस तारीख से जब अपराध होगा तो वह नए कानून में दर्ज किया जाएगा। संविधान के अनुसार अपराध की तारीख में जो कानून होता है, उसी के हिसाब से मुकदमा चलता है और सजा होती है। ऐसे में नए कानून जब अमल में आएगा, तब नए केस नए कानूनी धाराओं के तहत दर्ज होंगे। और जो भी कानूनी प्रक्रिया तय होगी, वह नए कानून के तहत तय होगी। नए कानून से संबंधित अधिसूचना जारी होने के बाद उस तारीख से होने वाले अपराध के मामले में वह अमल में आएगा और पहले से चल रहे मामले अदालतों में पहले के कानून के अनुसार ही चलते रहेंगे। अर्थात पूर्व से दर्ज केस में पहले के कानून के तहत ही चार्जशीट दाखिल की जाएगी और पहले के कानून के तहत ही उसमें मुकदमा चलेगा। जो केस अदालतों में पेंडिंग हैं, उन केसों की सुनवाई पहले की तरह चलती रहेगी और उस पर असर नहीं होगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

कविता

कवि
सुनील कुमार महला

होली

वसंतोत्सव का रूप है
आओ आओ हिलमिल खेलें होली
फाल्गुन मास की पूर्णिमा,रंगों का उत्सव होली
फाग में पिचकारी खिले, होली में दिल से दिल मिले

कपोलों पर लाल गुलाल-अबीर बिखरे
गौरी का रंग-रूप निखरे
हास्य-व्यंग की फुलझड़ियां
स्वांग और धमाल की खिलखिलाहट
डफ मचाने लगे हैं शोर
अब नहीं होंगे बच्चे-बूढ़े बोर

खेतों में सरसों के पीले रंग महके
खग, तरूवर सब चहके, भीगी तानें होली की
हमजोली की चोली की
देखो देखो मस्ती-ठिठौली टोली की
रंग उड़ाती और मधु बरसाती होली
कण-कण यौवन रंग बरसाती होली

उमंग,मस्ती, हर्ष उल्लास
जमकर आज सभी रहे हैं बांट
छटा रंगों की बिखर रही, धूप भी सुंदर खिल रही
अभिलाषाओं की मधुर-मंजरियां
हर ओर गूंजें सुंदर स्वर लहरियां
मालपुआ, गुजिया और ठंडाई

खुश हैं बच्चे-बूढ़े और लोग-लुगाई
रोम रोम केसर घुलें, किरने बनीं आज कंचन,
पुरवाई का संदेश सुनें, भौंरे बावले, तितलियां हंसे
मधुमक्खियों का गुंजन सुनें, लाल रंग के टेसू
कोयल आज हो गई बावली, लड़ियां गीतों की
मतवाली, घास की हरी पुआल में

शबनम की बूंदें चमके
ओज धरती का रंगों में है दमके
स्वर्ग धरा पर आया आज
फाल्गुन में छिपा रंगों का राज
सूने जीवन में फाल्गुन ने बांसुरी बजाई
जीवन की बगिया है महकाई

जीवंत पर्व परिहास मधुर प्यार, स्नेह, सम्मान
होली का हर गीत, मधुर रंगों, उमंगों की पहचान
खुशियों की सौगात होली, कटु भावों का करें
तिरस्कार, नफ़रत भावों को दे दें आहूति
मन की कड़वाहट को दें तिलांजलि
मिठाईयों की मिठास से भरें हर अंजुलि।

नॉलेज कॉर्नर: विश्व व्यापार संगठन के सब्सिडी पर ऐसे हैं नियम

WTO में आमने-सामने भारत-थाईलैंड!

विश्व व्यापार संगठन की बैठक में थाईलैंड ने कुछ दिन पहले आरोप लगाया था कि भारत सस्ते दाम पर चावल खरीदकर उसे एक्सपोर्ट कर रहा है। थाईलैंड के राजदूत पिमचानोक वोंकोरपोन पिटफील्ड के आरोपों के बाद दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव पैदा हुआ है। भारत ने राजदूत की भाषा और बर्ताव पर थाईलैंड सरकार को आपत्ति दर्ज कराई। रिपोर्ट के मुताबिक, थाईलैंड सरकार ने अब WTO की राजदूत पिमचानोक को हटा दिया है। भारत ने प्रतिनिधियों ने कहा कि उस पर लगाए गए आरोप तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। हालांकि, भारत पर इससे पहले भी ऐसे आरोप लगे हैं। आज के नॉलेज कॉर्नर में जानते हैं कि विश्व व्यापार संगठन के सब्सिडी के बारे में...

विश्व व्यापार संगठन में 164 सदस्य

विश्व व्यापार संगठन एक ग्लोबल संगठन है जो देशों के बीच हो रहे व्यापार के नियमों का निपटारा करता है। इसकी स्थापना 1995 में हुई थी। भारत, अमेरिका, थाईलैंड समेत इसमें 164 सदस्य हैं जो विश्व व्यापार के 98 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस संगठन ने सब्सिडी को लेकर भी कुछ नियम बनाए हुए हैं।सब्सिडी को 3 टाइप में बांटा हुआ है। हर टाइप को एक रंग दिया हुआ है। ये हैं – लाल, (एम्बर) पीला और नीला। एम्बर टाइप की सब्सिडी में बीज, बिजली, सिंचाई और न्यूनतम

समर्थन मूल्य जैसे चीजों वाली सब्सिडी शामिल हैं। संगठन के नियमों के मुताबिक, कोई भी सदस्य देश अपने यहां के कुल उत्पादन का 10% ही सब्सिडी के रूप में दे सकता है। विकासशील देशों के लिए ये सीमा 10% है। वहीं, विकसित देशों के लिए सीमा 5% रखी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में किसानों को प्रति किसान 300 डॉलर की सब्सिडी मिलती है, जबकि अमेरिका में यह सब्सिडी प्रति किसान 40,000 डॉलर है। भारत की खाद्य जरूरतें भी अलग हैं और इनको पूरा करने के लिए वो सीमा को पार कर जाता है।

थाईलैंड ने भारत को क्यों घेरा?

भारत दुनिया के प्रमुख चावल निर्यातकों में से एक है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में विश्व चावल निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 40% से ज्यादा है। उस समय भारत ने 55.4 मिलियन टन चावल 140 से ज्यादा देशों को एक्सपॉर्ट किया था। पिछले साल चावल की कुछ किस्मों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के बावजूद भारत चावल निर्यात में टॉप पर रहा है। प्रतिबंधों के बावजूद चावल निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 27 प्रतिशत थी। वहीं, थाईलैंड भी एक बड़ा चावल निर्यातक है। हालांकि, इस मामले में वो भारत के आगे नहीं निकल पाया है।

किसान चाहते हैं WTO से बाहर हो भारत

न्यूनतम समर्थन मूल्य की मांग कर रहे किसानों की एक मांग ये भी है कि भारत WTO से हट जाए। दरअसल, WTO किसानों को दी जाने वाली सब्सिडी को गलत मानता है। उसका मानना है कि बहुत ज्यादा सब्सिडी से अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर असर पड़ता है। कंटेंट: कुलदीप सिंह जादौन

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री
@narendramodi
देशभर के हमारे आदिवासी भाई-बहनों की सेवा और उनका कल्याण भाजपा की कार्य-संस्कृति का हिस्सा है। बीते 10 वर्षों में जनजातीय समुदायों का अभूतपूर्व विकास हुआ है।

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान
@BhajanLalBJP
महाराणा प्रताप ने अपनी मातृभूमि और देश के स्वाभिमान की रक्षा के लिए संघर्ष किया, वह हम सभी के लिए पूजनीय एवं आदर्श हैं। कांग्रेस ने पाठ्य पुस्तकों में अकबर को महान पढ़ाया है, जबकि अकबर नहीं महाराणा प्रताप महान थे। मैं महाराणा प्रताप की शौर्य गाथा को प्रणाम करता हूं...

लोकसभा चुनाव के लिए चुनाव आयोग की एजवाइजरी जारी... कहा-शिष्टाचार और संयम बरतें

आचार संहिता के उल्लंघन पर होगी कड़ी कार्रवाई, किया आगाह

एजेंसी | नई दिल्ली

आगामी लोकसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग (ईसीआई) ने शुक्रवार को राजनीतिक दलों को एक एडवाइजरी जारी की। जिसमें उनसे चुनाव प्रचार के दौरान शिष्टाचार और संयम बनाने रखने व मुद्दों पर आधारित बहस की जरूरत पर जोर दिया गया है।

आयोग ने यह भी कहा कि जिन स्टार प्रचारकों या उम्मीदवारों को पहले भी नोटिस जारी किए गए, उन्हें आचार संहिता के बार-बार उल्लंघन के लिए सख्त कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। एडवाइजरी में कहा गया है कि

सोशल मीडिया पर प्रतिद्वंद्वियों को बदनाम या अपमानित करने वाले या दूसरों की गरिमा को गिराने वाली पोस्ट साझा नहीं की जानी चाहिए। आयोग ने राजनीतिक दलों को विभाजनकारी बयानबाजी से दूरे रहने के लिए भी कहा। एडवाइजरी में स्टार प्रचारकों और उम्मीदवारों पर विशेष जोर देते हुए उन्हें आदर्श आचार संहिता के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों उल्लंघनों के प्रति आगाह किया गया है।

एडवाइजरी में कहा गया, चुनाव आयोग आगामी चुनाव में समय और सामग्री के संबंध में दिए जाने वाले नोटिस पर पुनर्विचार के लिए आचार संहिता के उल्लंघन का आकलन करेगा। आयोग ने एडवाइजरी में चुनावी प्रक्रिया की अखंडता को बनाए रखने के लिए कई निर्देश जारी किए हैं।

आयोग ने दी ये प्रमुख सलाह

- राजनीतिक पार्टियां मर्यादा और अत्यधिक संयम बनाए रखें। चुनाव अभियान के स्तर को मुद्दा-आधारित बहस तक बढ़ाने का आग्रह।
- पूर्व में नोटिस प्राप्त कर चुके स्टार प्रचारकों, उम्मीदवारों को दोबारा आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।
- सोशल मीडिया पर प्रतिद्वंद्वियों की निंदा या अपमान करने वाली पोस्ट, अपमानित करने वाली या गरिमा गिराने वाली पोस्ट साझा नहीं की जाए
- ऐसी बातें न कही जाएं, जिनमें भक्त-देवता संबंधों का उपहास हो, और न ही दैवीय निंदा की जानी चाहिए।
- जाति या सांप्रदायिक भावनाओं के आधार पर अपील न की जाए।
- ऐसी गतिविधियों में शामिल न हों, जो मतभेदों को बढ़ाती हैं या विभिन्न समूहों को आपस में दुश्मनी के लिए उकसाती हैं।
- मतदाताओं को गुमराह करने के मकसद से झूठे बयानों या निराधार आरोपों का प्रचार नहीं करें।
- चुनाव प्रचार के लिए किसी मंदिर,मस्जिद,चर्च, गुरुद्वारा या किसी अन्य पूजा स्थल का इस्तेमाल नहीं किया जाए।
- राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को ऐसे किसी भी कामों या बयानों से बचना चाहिए जिन्हें महिलाओं के सम्मान और गरिमा में खिलाफ माना जाता है।
- मीडिया को असत्यापित और भ्रामक विज्ञापन नहीं दिए जाने चाहिए।
- सभी राजनीतिक दलों, उनके नेताओं और उम्मीदवारों से आदर्श आचार संहिता और कानूनी ढांचे के दायरे में रहने का आग्रह।

पूर्व राज्यपाल व वरिष्ठ नेता अजीज कुरैशी का निधन

भोपाल। उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजीज कुरैशी का लंबी बीमारी के बाद शुक्रवार को निधन हो गया। परिवार के एक सदस्य की ओर से इस बात की जानकारी दी गई है। अजीज कुरैशी की देखभाल करने वाले उनके भतीजे सूफियान अली ने बताया कि कुरैशी का 83 वर्ष के आयु में निधन हुआ। सूफियान ने कहा, कुछ समय से उनकी तबीयत ठीक नहीं थी और सुबह करीब 11 बजे भोपाल के एक निजी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। सूफियान अली ने कहा, वह पहली बार 1972 में मध्य प्रदेश की सीहोर सीट से विधायक चुने गए और 1984 में लोकसभा सदस्य बने। अजीज कुरैशी का जन्म 24 अप्रैल, 1941 को भोपाल में हुआ था। कुरैशी ने उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और मिजोरम के राज्यपाल के रूप में कार्य किया था।

मायावती के भतीजे आनंद को वाई प्लस सिक्योरिटी

लखनऊ। बसपा की अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के भतीजे आकाश आनंद को केंद्र सरकार ने वाई प्लस सिक्योरिटी प्रदान की है। बता दें कि आकाश आनंद बसपा के नेशनल कोआर्डिनेटर हैं, जिन्हें हाल ही में मायावती ने अपना राजनीतिक वारिस भी घोषित किया था। उन्होंने आकाश को उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड छोड़कर बाकी प्रदेशों में बसपा के संगठन का विस्तार करने और जनाधार बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी है। आकाश जल्द ही हरियाणा से लोकसभा चुनाव का प्रचार अभियान भी शुरू करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी की पश्चिम बंगाल व झारखंड में जनसभाएं

संदेशखाली में TMC नेता ने सारी हदें पार कर दी, पूरा देश गुस्से में

एजेंसी | कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संदेशखाली की घटना को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी पर तीखा प्रहार किया है। हुगली जिले के आरामबाग इलाके में एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि देश देख रहा है कि संदेशखाली की बहनों के साथ टीएमसी ने क्या किया? पूरा देश गुस्से में है। एक टीएमसी नेता ने सभी हदें पार कर दीं। संदेशखाली में जो हुआ उस पर राजा राम मोहन राय की आत्मा रो रही होगी। उन्होंने कहा कि मुझे टीएमसी दुश्मन नंबर 1 बनाती है, लेकिन मोदी उनकी गालियों से झुकने वाला नहीं है। लूटने वालों को मैं छोड़ने वाला नहीं हूं।

पीएम मोदी बंगाल के दो दिवसीय दौरे पर हैं। आरामबाग में जनसभा से पहले पीएम ने यहां 7,200 करोड़ रुपए की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास भी किया। इससे पहले झारखंड में विभिन्न परियोजनाओं के उद्घाटन व लोकार्पण के बाद वे हुगली जिले के आरामबाग पहुंचे।

पीएम मोदी ने रैली में कहा कि टीएमसी के नेता ने संदेशखाली में बहनों-बेटियों के साथ दुस्साहस की सारी हदें पार कर दीं। जब संदेशखाली की बहनों ने अपनी आवाज बुलंद की, ममता दीदी से मदद मांगी, तो बदले में बंगाल सरकार ने टीएमसी नेता को बचाने के लिए पूरी शक्ति लगा दी।

यह संदेशखाली की घटनाएं शर्म की बात है। लेकिन भाजपा के दबाव में आखिरकार गरुवार को बंगाल पुलिस ने उस आरोपी को गिरफ्तार किया।

पश्चिम बंगाल को 7200 करोड़ के प्रोजेक्ट्स की सौगात

विपक्षी गठबंधन की चुप्पी पर उठाया सवाल

पीएम मोदी ने कहा, मुझे यह देखकर शर्म आती है कि विपक्षी गठंबधन इंडिया के नेता संदेशखाली अत्याचारों पर चुप हैं। यहां तक केंद्रीय एजेंसियों को भी बंगाल में काम करने की इजाजत नहीं। टीएमसी उनकी कार्यप्रणाली के खिलाफ धरने पर बैठती है। उन्होंने कहा कि बंगाल के विकास में टीएमसी पूरी तरह से बाधक है। टीएमसी ने राज्य के गरीबों के घर तक नहीं बनने दिए। यहां तक कि केंद्र की जनकल्याण योजनाओं को टीएमसी ने रोका। कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन के लिए भ्रष्टाचारियों, परिवारवादियों और तुष्टीकरण करने वालों का साथ देना, यही एक काम बचा है और यही उनके लिए सबसे बड़ा काम है।

हमारा लक्ष्य 2047 तक भारत को विकसित करना

पीएम मोदी ने कहा कि 21वीं सदी का भारत बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। हम सबने मिलकर 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य रखा है। देश के गरीब, किसान, महिलाएं और युवा हमारी प्राथमिकता है। हमने गरीबों के विकास के लिए कई कदम उठाए हैं और दुनिया इसका नतीजा देख रही है।

झारखंड: पीएम ने झामुमो गठबंधन को भ्रष्टाचार के मुद्दे पर जमकर घेरा

पीएम मोदी ने शुक्रवार को झारखंड के धनबाद में भाजपा की विजय संकल्प रैली को संबोधित किया। उन्होंने वस्तुत: लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर यहां भाजपा के चुनाव अभियान का शंखनाद किया। उन्होंने कहा है कि 'न झुकेंगे, न हटेंगे', गरीबों के घर का चूल्हा जलता रहे, इसे लेकर मुफ्त अनाज की योजना को चालू रखेंगे। उन्होंने झामुमो गठबंधन को भ्रष्टाचार के मुद्दे पर जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि झारखंड के गरीब आदिवासियों के धन संपदा की लूट करने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने जिन योजनाओं का शिलान्यास किया था, उसका उद्घाटन भी किया है। जबकि कांग्रेस और उसके सहयोगी विकास के सबसे बड़े दुश्मन हैं। गरीबों, आदिवासियों की चिंता और उनका कल्याण ही मोदी की गारंटी है। इसीलिए आपसे तीसरी बार 400 पार के लिए समर्थन मांग रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि झारखंड में तेज विकास के लिए जरूरी है कि यहां कानून व्यवस्था अच्छी हो, शासन-प्रशासन ईमानदार हो, लेकिन जब से जेएमएम और कांग्रेस की परिवारवदी, भ्रष्टाचारी और तुष्टीकरण वाली सरकार बनी है, तब से यहां स्थितियां बदली हैं। पीएम ने कहा- 'जेएमएम' का मतलब हो गया है- जमकर खाओ। उन्होंने कहा कि इनकी नीतियों की वजह से ही घुसपैठ की समस्या बढ़ी है। जनता की कमाई लूटकर ये लोग अपना घर भरने में लगे रहते हैं। झारखंड में जबसे गठबंधन सरकार बनी है, तब से स्थिति बदतर हुई है।

35 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट्स की सौगात

पीएम मोदी ने शुक्रवार को 35 हजार करोड़ रुपए से अधिक की योजनाओं की झारखंड को सौगात दी। सिंदरी हर्ल में खाद कारखाने का उद्घाटन किया। वर्ष 2018 में इसका शिलान्यास भी पीएम मोदी ने किया था। इस खाद कारखाने के लोकार्पण के साथ ही भारत ने यूरिया के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर से बढ़ा कदम उठाया है। इसके अलावा उन्होंने धनबाद-चंद्रपुरा रेल लाइन का शिलान्यास किया।

खुली जीप से पहुंचे मंच पर

पीएम मोदी बरवड्डा हैलिपैड से खुली जीप में सवार होकर मंच तक पहुंचे। जीप में उनके साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी और अन्नपूर्णा देवी थीं। सभा स्थल पर जीप में सवार मोदी ने सबका अभिवादन किया तो लोग अबकी बार 400 पार का नारा लगाते रहे।

तृणमूल कांग्रेस में राजनीतिक टकराहट

कुणाल का पार्टी महासचिव पद से इस्तीफा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस में सब कुछ ठीक नहीं लग रहा है। पार्टी के एक बड़े नेता कुणाल घोष ने शुक्रवार को राज्य प्रवक्ता व प्रदेश महासचिव के पद से इस्तीफा दे दिया।

सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने अपने इस्तीफे की जानकारी पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व को दे दी है। इसके पहले उन्होंने अपने इंटरनेट मीडिया प्रोफाइल से अपनी तृणमूल कांग्रेस की पहचान हटा दी। उन्होंने नेतृत्व के एक वर्ग पर

स्वार्थी रूप से गुटबाजी में शामिल होने का भी आरोप लगाया। ज्ञात रहे कि कुणाल घोष का समग्र संदेश राज्य की राजनीति में काफी अहम माना जा रहा है।

मैं सिस्टम में फिट नहीं

उन्होंने पोस्ट में लिखा कि वह तृणमूल कांग्रेस के राज्य महासचिव और प्रवक्ता का पद नहीं रखना चाहते। वह सिस्टम में मिसफिट हैं। कार्य करने में असमर्थ हैं। वह पार्टी में सिपाही बनकर रहेंगे। कृपया दलबदल की अफवाहों को हवा न दें। ममता बनर्जी मेरी नेता हैं, अभिषेक बनर्जी मेरे सेनापति हैं। तृणमूल कांग्रेस मेरी पार्टी है।

योगी की राज्यपाल से मुलाकात

यूपी में राजभर-दारा सिंह बनेंगे मंत्री, रालोद को भी मिलेगी जगह!

एजेंसी | लखनऊ

दिल्ली में भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक के बाद यूपी में मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाएं तेज हो गई हैं। शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से मुलाकात की है। कयास लगाए जा रहे हैं कि अगले एक दो दिनों में मंत्रिमंडल विस्तार हो सकता है। सूत्रों के अनुसार राज्य में 4 से 5 मंत्री बनाए जा सकते हैं। इसमें एक नाम सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर का है। इसके अलावा रालोद के कोटे से एक से दो मंत्री और भाजपा से भी दो मंत्री बनाए जा सकते हैं.

दरअसल भाजपा केंद्रीय नेतृत्व ने यूपी मंत्रिमंडल के लिए संभावित नामों पर मुहर लगा दी है। सारी अड़चनें खत्म हो गई हैं। चर्चा है कि मंत्रिमंडल विस्तार में नए चेहरों को भी जगह मिल सकती हैं। पूर्व में मंत्रिमंडल हिस्सा रहे बड़े चेहरे की भी वापसी की अटकलें है। इसके साथ ही ओम प्रकाश राजभर, दारा सिंह चौहान और आरएलडी कोटे से एक विधायक की जगह मिल सकती है। दरअसल ओमप्रकाश राजभर और दारा सिंह चौहान के भाजपा के साथ आने के साथ ही मंत्रिमंडल की विस्तार की चर्चा तेज हो गई थी। राजभर कई बार मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर बयान दे चुके हैं।

ब्रह्माकुमारी स्वर्ण जयंती समारोह

कटक। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ओडिशा के कटक में शुक्रवार को ब्रह्माकुमारीज के स्वर्ण जयंती समारोह का उद्घाटन किया।

कर्नाटक में सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट पेश

लोस चुनाव से पहले सियासी घमासान, कांग्रेस के कई नेता भी विरोध में

एजेंसी | बेंगलुरु

बिहार के बाद कर्नाटक में बहुप्रतीक्षित सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक सर्वे रिपोर्ट (जाति जनगणना) सरकार को सौंप दी गई है। हालांकि रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं हुई है, लेकिन इसको लेकर विवाद शुरू हो गया है। कर्नाटक के प्रभावशाली वोक्कालिगा व लिंगायतों समुदायों ने रिपोर्ट को अवैज्ञानिक बताते हुए इस पर आपत्ति व्यक्त की है। इसके अलावा खुद सत्ताधारी पार्टी कांग्रेस के विधायकों ने भी इसका विरोध किया है। विपक्षी दल भाजपा ने भी रिपोर्ट पर सवालिया निशान लगाया है। इस बीच, राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि

रिपोर्ट को कैबिनेट के समक्ष रखा जाएगा और चर्चा कर निर्णय लिया जाएगा। ज्ञात रहे कि 2014 में सिद्धारमैया सरकार ने जातिगत सर्वे कराने का आदेश दिया था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि लोकसभा चुनाव से पहले इस रिपोर्ट पर सियासी घमासान शुरू हो सकता है।

कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष के. जयप्रकाश हेगड़े ने गुरुवार को विधान सौध में मुख्यमंत्री सिद्दरमैया को रिपोर्ट सौंपी। इस रिपोर्ट को सामाजिक आर्थिक सर्वे नाम दिया गया है। इस मामले में कानून मंत्री एचके पाटिल ने कहा कि जरूरत पड़ने पर रिपोर्ट पर कानूनी सलाह ली जाएगी।

विरोध के सुर मुखर

- वोक्कालिगा व लिंगायतों समुदायों के नेताओं ने रिपोर्ट को बताया अवैज्ञानिक
- भाजपा ने भी किया विरोध

यह बोले सीएम सिद्धारमैया

- रिपोर्ट को कैबिनेट के समक्ष रखा जाएगा और चर्चा कर निर्णय लिया जाएगा।

सिद्धारमैया के पिछले कार्यकाल में हुआ था सर्वेक्षण

जातिगत जनगणना रिपोर्ट को अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि अनुसूचित जाति को सबसे अधिक आबादी वाला बताया गया है। दूसरे स्थान पर मुसलमानों को रखा गया है। इसके बाद क्रमश: लिंगायत और वोक्कालिगा को रखा गया है। सूत्रों के अनुसार जो रिपोर्ट सरकार को सौंपी गई है, वो कई साल पुरानी है। दरअसल, 2014 में कर्नाटक में कांग्रेस के नेतृत्व वाली तत्कालीन सिद्धारमैया सरकार एक सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण का आदेश दिया था। एच कंथाराज की अध्यक्षता में तत्कालीन पिछड़ा वर्ग आयोग ने 2015 में अप्रैल और मई में सर्वे कराया। मुख्यमंत्री के रूप में सिद्धारमैया के पहले कार्यकाल में 2017 में रिपोर्ट तैयार हो गई थी। हालांकि, इसे न तो स्वीकार किया गया और न ही इसके निष्कर्षों को सार्वजनिक किया गया। मौजूदा अध्यक्ष हेगड़े के नेतृत्व में आयोग को नवंबर 2023 में रिपोर्ट प्रस्तुत करनी थी।

रिपोर्ट पर यह बोली भाजपा

प्रमुख विपक्षी दल भाजपा ने भी रिपोर्ट का विरोध किया है। पार्टी के विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने कहा, यह सर्वे वैज्ञानिक नहीं है। इससे लिंगायत और वोक्कालिगा नाराज हैं। हम इसका विरोध करेंगे। हम कांग्रेस सरकार से अनुरोध करेंगे कि वे घर-घर जाकर दोबारा सर्वे करें, जिसके बाद ही हम इसे स्वीकार करेंगे।

रिपोर्ट का विरोध नहीं: प्रियंक खरगे

वहीं, राज्य के आईटी मंत्री प्रियांक खरगे ने दावा किया कि जाति जनगणना रिपोर्ट का कोई विरोध नहीं है। खरगे ने कहा, लोगों को डेटा पर आपत्ति है, रिपोर्ट पर नहीं। हम उन्हें विश्वास में लेंगे। वे वैज्ञानिक बदलाव की मांग कर रहे हैं। सभी नेता इस बात पर सहमत हुए हैं कि आबादी के हिसाब से सुविधाएं बांटी जानी चाहिए।

कांग्रेस नेताओं ने भी जताई आपत्ति

रिपोर्ट के सौंपते ही इस पर विवाद छिड़ गया। कर्नाटक कांग्रेस नेताओं के एक वर्ग ने जाति जनगणना रिपोर्ट को स्वीकार करने पर आपत्ति जताई है। कांग्रेस के दिग्गज नेता और वीरशैव-लिंगायत महासभा के अध्यक्ष शमनूर शिवशंकरप्पा ने जाति जनगणना को अवैज्ञानिक बताया है। उन्होंने कहा, बिना डोर-टू-डोर सर्वे किए तैयार की गई रिपोर्ट को समाज स्वीकार नहीं करेगा। दीर्घ और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि लिंगायत समुदाय को अन्याय का सामना न करना पड़े। महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने कहा कि रिपोर्ट में खामियां हैं।

जरूरी खबर

आसाराम की अपील खारिज, हाई कोर्ट में जाने को कहा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बलात्कार के जुर्म में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें स्वास्थ्य संबंधी कारणों से सजा निलंबित करने का अनुरोध किया गया था। न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायाधीश दीपांकर दत्ता की पीठ ने वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी से राहत के लिए राजस्थान उच्च न्यायालय का रुख करने को कहा। रोहतगी ने अदालत को सूचित किया था कि आसाराम सरकारी वकील के इस बयान को मानने के लिए तैयार हैं कि वह महाराष्ट्र के खोपोली में माधवबाग हार्ट हॉस्पिटल में पुलिस हिरासत में रहते हुए इलाज करा सकते हैं। इस पर पीठ ने आसाराम से कहा कि वह माधवबाग हार्ट हॉस्पिटल में इलाज कराने के संबंध में राजस्थान उच्च न्यायालय के समक्ष अर्जी दाखिल करें और इस पर कानून के अनुसार विचार किया जाएगा।

ज्ञानवापी मामले पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट सहमत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ ज्ञानवापी मस्जिद समिति की याचिका पर सुनवाई करने के लिए सहमत हो गया है, जिसमें कहा गया था कि मंदिर के जीर्णोद्धार संबंधी वाद सुनवाई योग्य है। शीर्ष अदालत ने ज्ञानवापी समिति की ओर से दाखिल मंदिर के जीर्णोद्धार संबंधी वाद को इस मामले से जुड़े अन्य लंबित मामलों के साथ नत्थी किया। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायाधीश पारदीवाला व न्यायाधीश मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा, हम इसे मुख्य मामले के साथ जोड़ेंगे। याचिका अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद द्वारा दायर की गई थी।

लोस चुनावों से पहले RRS की बैठक 15 मार्च से

नई दिल्ली। लोकसभा चुनावों से ठीक पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की महत्वपूर्ण बैठक 15 से17 मार्च तक नागपुर में होगी। इस बैठक में लोकसभा चुनावों के साथ-साथ आरएसएस के संगठन संबंधित कार्यों पर भी चर्चा होगी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी बैठक में शामिल हो सकते हैं। आरएसएस के प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने बताया कि बैठक में वर्ष 2023-24 के संघ कार्य की समीक्षा की जाएगी। आगामी वर्ष के लिए आरएसएस के कार्यों की योजना पर चर्चा होगी।र

कोस्टगार्ड की जेटी का उद्घाटन... सलामी गारद का निरीक्षण

गांधीनगर। राज्य मंत्री अजय भट्ट ने शुक्रवार को गुजरात में कच्छ की खाड़ी में वाडिनार में बंदरगाह के निटक तटरक्षक बल की जेटी का उद्घाटन किया। इससे तटीय निगरानी और सुरक्षा को और बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर उन्होंने गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया।

अज्ञात व्यक्ति छोड़ गया था बैग

कैफे में धमाका, IED ब्लास्ट का संदेह, 9 लोग घायल

एजेंसी | बेंगलुरु

बेंगलुरु के एक कैफे रामेश्वरम में शुक्रवार को हुए विस्फोट में नौ लोग घायल हुए हैं। विस्फोट के बाद कैफे के फर्श पर कांच के टुकड़े बिखरे पड़े थे। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि यह धमाका एलपीजी सिलेण्डर के फटने से नहीं हुआ था, बल्कि यह आईईडी विस्फोट है। मामले की जांच जारी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कैफे में किसी ने एक बैग रखा था। इसके थोड़ी देर बाद यह धमाका हुआ। मामले की गंभीरता को देखते हुए कर्नाटक के पुलिस महानिदेशक डॉ. आलोक मोहन ने घटना स्थल का दौरा किया। डीजीपी ने कहा कि पुलिस जल्द ही आरोपियों को पकड़ लेगी। सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि घटना के कारण और प्रकृति का पता लगाने की लिए जांच की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सीसीसटीवी और अन्य चीजों की जांच की जा रही है। एक व्यक्ति ने टोकन लेकर कैफे में खाना खाया, उसके बाद वहीं अपना बैग छोड़कर चला गया था।

प्रशासन से कड़ी जांच की आग्रह- पीसी मोहन

भाजपा सांसद पीसी मोहन ने घटना पर चिंता जाहिर करते हुए प्रशासन से कड़ी जांच का आग्रह किया है। सोशल मीडिया पोस्ट साझा करते हुए पीसी मोहन ने कहा कि घटना की सूचना मिलने के बाद से ही चिन्तित हूं। घायल व्यक्तियों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। मैं सूबे के अधिकारियों से गुजारिश करूंगा कि वे मामले की गहन जांच करें और राज्य के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम पहुंची मौके पर

व्हाइटफील्ड के फायर स्टेशन ने कहा कि हमें फोन आया कि रमेश्वरम कैफे में सिलेंडर विस्फोट हुआ है। हम मौके पर पहुंचे और हालात पर काबू पाने की कोशिश की। डॉग स्क्वॉड के साथ-साथ फॉरेंसिक विशेषज्ञों की एक टीम भी विस्फोट स्थल पर पहुंची और मौके से सबूत एकत्र किए। वहीं, रेस्तरां के एक सुरक्षा गार्ड ने बताया, मैं कैफे के बाहर खड़ा था। रेस्तरां में कई ग्राहक मौजूद थे। अचानक जोरदार आवाज सुनाई दी और आग लग गई, जिससे होटल के अंदर मौजूद ग्राहक घायल हो गए। इससे पहले, पुलिस ने कहा था कि शुक्रवार को रामेश्वरम कैफे में संदिग्ध एलपीजी सिलेंडर में विस्फोट होने और आग लगने से कम से कम पांच लोग घायल हुए हैं। हालांकि अभी घायलों की सटीक संख्या की जानकारी नहीं दी गई है। पुलिस ने कहा कि पांच लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

150 उम्मीदवारों के नामों पर लगी मुहर

भाजपा की पहली सूची: कुछ एमएलए को भी मिलेंगे टिकट

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुक्रवार बड़े तड़के तक चली भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की मैराथन बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा के उम्मीदवारों की पहली सूची पर मुहर लग गई और इसे कभी भी जारी किया जा सकता है। पांच घंटे से अधिक चली बैठक में 16 राज्यों के 250 से अधिक सीटों पर विस्तृत चर्चा हुई और लगभग 150 उम्मीदवारों के नाम पर मुहर लग गई। इनके नामों का ऐलान कभी भी हो सकता है। हाल ही में हुए राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा ने मनसुख मांडविया, भूपेंद्र यादव, राजीव चंद्रशेखर, धर्मेंद्र प्रधान, पुरुषोत्तम रुपाला समेत कई मंत्रियों और सांसदों को दोबारा नामांकित नहीं किया था। इन्हें इनके संबंधित राज्यों से ही टिकट देने का फैसला किया गया है। उम्मीदवारों के चयन में जातीय और सामाजिक समीकरणों का खास ख्याल रखा गया। पहली सूची में कुछ विधायकों के नाम भी पर मुहर लगी है, जिन्हें राज्य से राष्ट्रीय राजनीति में लाने की तैयारी है। ऐसे विधायक उत्तर प्रदेश से समेत झारखंड व अन्य राज्य राज्यों से हो सकते हैं।

सूत्रों के अनुसार जिन 16 राज्यों की सीटों पर चर्चा हुई उनमें

बिहार, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश जैसे राज्य शामिल नहीं थे, जहां भाजपा को गठबंधन के साथियों के साथ सीटों का बंटवारा करना बाकी है। सूत्रों के अनुसार, पहली सूची में बहुत सारी ऐसी सीटें शामिल हैं, जिन्हें भाजपा मुश्किल मानती है। इनमें वे सीटें भी शामिल हैं, जो पिछली बार पार्टी नहीं जीत पाई थी। पार्टी ने ऐसी 160 सीटों के लिए अलग से रणनीति बनाई थी और वरिष्ठ नेताओं और केंद्रीय मंत्रियों को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

यूपी में सहयोगी दलों को छह सीटें

उत्तर प्रदेश में लोजपा को दो, अपना दल को दो, निषाद पार्टी और सुभासपा को एक-एक सीट देने का फैसला लिया गया। चुनाव समिति की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ-साथ गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ-साथ अन्य वरिष्ठ नेता शामिल थे। इसके साथ ही संबंधित राज्यों के प्रमुख पदाधिकारियों के साथ-साथ मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों को भी बुलाया गया था। पहली सूची में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृहमंत्री अमित शाह जैसे वरिष्ठ नेताओं को भी शामिल किया है, जो चुनाव प्रचार के दौरान सिर्फ अपने क्षेत्र तक सीमित नहीं रहते हैं और पूरे देश में चुनाव प्रचार करते हैं। ऐसे नेताओं को उनके मौजूदा सीट से टिकट दिया जा रहा है।

सांसदों- विधायकों की निगरानी संबंधी याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट शरीर में चिप लगाने को नहीं कह सकता

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सांसदों और विधायकों की चौबीसों घंटे डिजिटल निगरानी का निर्देश देने से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने उस पीआईएल को खारिज कर दिया जिसमें कहा गया था कि देश में बेहतर प्रशासन के लिए सांसदों और विधायकों की चौबीसों घंटे निगरानी के लिए केंद्र सरकार को निर्देश दिया जाए। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच ने याची पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि सांसदों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए उनके शरीर में अदालत क्या चिप लगा दें? निजता का अधिकार भी कोई चीज है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सांसदों और विधायकों को भी निजता का अधिकार मिला हुआ है।

महिला उद्यमी सम्मेलन

नई दिल्ली। केंद्रीय अति लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री नारायण राणे शुक्रवार को नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय महिला उद्यमी सम्मेलन शक्ति में शामिल हुए और महिला उद्यमियों को सम्मानित किया।

महादेव ऐप मनी लॉन्ड्रिंग मामला

दुबई के हवाला ऑपरेटर की 580 करोड़ की संपत्ति जब्त

एजेंसी | नई दिल्ली

महादेव ऐप से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने दुबई स्थित 'हवाला ऑपरेटर' की 580 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्तियों को जब्त किया है। इसी के साथ छापेमारी के बाद एजेंसी ने 3 करोड़ 64 लाख रुपए की नकदी और कई कीमती सामान जब्त किए हैं। कोलकाता, गुरुग्राम, दिल्ली, इंदौर, मुंबई और रायपुर के विभिन्न परिसरों में 28 फरवरी को ये छापेमारी की गई। ईडी ने आरोप लगाया है कि महादेव ऑनलाइन बुक गेमिंग और सट्टेबाजी ऐप में उसकी जांच में छत्तीसगढ़ के विभिन्न बड़े राजनेताओं और नौकरशाहों की संलिप्तता मिली है। बता दें कि दोनों मुख्य प्रवर्तक भी छत्तीसगढ़ से ही हैं।

39125 करोड़ के पांच रक्षा सौदों को मंजूरी

ब्रह्मोस मिसाइल व रडारों की होगी खरीद, बढ़ेगी सेना की ताकत

एजेंसी | नई दिल्ली

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए 'मेक इन इंडिया' के तहत रक्षा मंत्रालय ने ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों, रडारों और हथियार प्रणालियों समेत विभिन्न रक्षा उपकरणों के लिए 39,125.39 करोड़ रुपए के पांच करार किए हैं। इन बड़े स्वदेशी रक्षा सौदों से भारतीय सेना को मजबूती मिलेगी। ब्रह्मोस मिसाइलों की खरीद के लिए ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड (बीएपीएल) के साथ दो अन्य सौदों को अंतिम रूप दिया गया

ब्रह्मोस मिसाइलों को हासिल करने के लिए 19,518.65 करोड़ रुपए का करार किया गया है।

नौसेना के प्रशिक्षण और प्रयोग के लिए इन मिसाइलों का इस्तेमाल होगा। इस परियोजना से नौ लाख कार्यदिवस में रोजगार मिलेगा।

ब्रह्मोस युक्त पोत हासिल करने के लिए ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड से दूसरा करार किया गया है। 988.07 करोड़ रुपए के इस सौदे से नौसेना को हमले करने के लिए प्राथमिक हथियार हासिल होंगे। इससे समुद्र या जमीन पर सुपरसोनिक गति से सटीक हमला किया जा सकता है।

मंत्रालय के अनुसार, मिग-29 विमानों के लिए एयरो इंजन की खरीद के लिए हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड के साथ किया गया है। वहीं, क्लोज-इन हथियार प्रणाली (सीआइडब्ल्यूएस) और उच्च-शक्ति रडार की खरीद के लिए लार्सन एंड टूब्रो लिमिटेड को दो कांट्रैक्ट मिले हैं।

क्लोज-इन हथियार प्रणाली का सौदा 7,668.82 रुपए में किया गया है। एचपीआर यानी उच्च शक्ति रडार के लिए 5700.13 करोड़ रुपए का करार किया गया है। यह वायुसेना के लंबी दूरी के मौजूदा रडारों की जगह लेगा। यह वायुसेना की वायु रक्षा क्षमता को बढ़ाएगा। निजी क्षेत्र के हाथों बनने वाली भारत में यह पहली रडार प्रणाली होगी। इससे प्रति वर्ष पांच साल तक औसतन एक हजार लोगों को रोजगार मिलेगा।

स्वदेशी क्षमताओं को मिलेगी मजबूती

रक्षा मंत्रालय का कहना है कि इन सौदों से स्वदेशी क्षमताओं को और मजबूती मिलेगी। विदेशी मुद्रा बचेगी और भविष्य में विदेशी मूल के उपकरण निर्माताओं पर निर्भरता कम होगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और रक्षा सचिव गिरधर अरमाने की उपस्थिति में रक्षा सौदों पर हस्ताक्षर किए गए। रक्षा मंत्रालय

मिग-29 विमानों में लगेंगे एयरो इंजिन

मिग-29 विमान के आरडी-33 एयरो इंजनों के लिए एचएएल से 5,249.72 करोड़ रुपए का करार किया गया है। इन एयरोइंजनों का उत्पादन एचएएल की कोरापुट डिविजन में होगा। युद्धक विमान मिग-29 के बाकी बचे जीवन में यह एयरोइंजन जान फूंक देंगे। इनका निर्माण रूस ओईएम की ट्रांसफर आफ टेक्नोलाजी (टीओटी) लाइसेंस के जरिए होगा। भविष्य में भी इसकी मरम्मत और विस्तार में कोई दिक्कत नहीं होगी।

क्या है क्लोज-इन-रक्षा प्रणाली

क्लोज-इन हथियार प्रणाली कम दूरी की आने वाली मिसाइलों और दुश्मन के विमानों का पता लगाने और उन्हें नष्ट करने के लिए एक बिंदु-रक्षा युद्ध प्रणाली है, जो बाहरी सुरक्षा में प्रवेश करती है।

संवाद सत्रों में मंथन: तमाशा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

जयपुर में दिखी ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील नार्वे और इंग्लैंड की कला की झलक

बेधड़क.जयपुर। मन के रचनात्मक कोने से निकली कल्पनाओं के सौंदर्य को जाहिर करती पेंटिंग्स, कला व संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को उजागर करने वाले संवाद सत्र, रंगमंच और संगीत की सुगंध से सराबोर करने वाली प्रस्तुतियां। ये नजारा था राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में पिंक फेस्टिवल में, जहां एंटरटेनमेंट का फुल डोज देने वाली शॉर्ट फिल्म स्क्रीनिंग, तमाशा का मंचन और आध्यात्मिक कविताओं का वाचन किय गया। वरिष्ठ कलाकारों ने शुरुआत की और कलाकारों की हौसला अफजाई की गई। धर्मेंद्र राठौड़ के क्यूरेशन में 100 से अधिक आर्टिस्ट की पेंटिंग्स एग्जीबिट की गई है जिसमें ब्राजिल, नार्वे, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड आदि देशों के कलाकारों और जगन्नाथ पांडा, कंचन चंद्रा, संगीता गुप्ता, सुनील विश्वकर्मा, श्रीधर अय्यर, अंकित पटेल आदि कलाकारों का हुनर देखने को मिल रहा है।

झुकी पीठ को मिला किसी हथेली का स्पर्श

भारतीय साहित्य और कला में अंतर्संबंध विषय पर भवानी सिंह शर्मा, महेन्द्र नाथ ओझा, अशोक व्यास और उमेश मिश्रा ने विचार साझा किए। अरविंद ओझा सत्र के मॉडरेटर रहे। ओझा ने कहा कि सत्यम, शिवम, सुंदरम के रूप में अद्भुत ताना-बाना सामने आता है। ऐसा ही अंतर्संबंध कला और साहित्य में है। उन्होंने बाबा नागार्जुन की कविता 'झुकी पीठ को मिला किसी हथेली का स्पर्श, तन गई रीढ़... महसूस हुई कन्धों को पीछे से, किसी नाक की सहज उष्ण निराकुल सांसें, तन गई रीढ़' से इस अंतर्संबंध की सुंदरता को जाहिर किया। भवानी सिंह शर्मा ने कहा कि हमारी कलाओं में नैसर्गिक सौंदर्य है। उमेश मेहरा ने कहा कि कला और साहित्य को अलग करना मुश्किल है। साहित्यिक रचनाओं को कलात्मक रूप में प्रस्तुत किया जाता रहा है। पहले लोग दीवारों पर चित्र उकेर कर संवाद स्थापित किया करते थे। अब लोग पढ़ने से दूरी बना रहे हैं, जो ठीक नहीं है। आर्ट एजुकेशन इन सर्च ऑफ क्रिएटिव एंड क्रिटिकल थिंकिंग विषय पर प्रो. चिन्मय मेहता, राजीव शेखर, किरण महाजन, डॉ. अमिताराज गोयल और पवन कुमार ने भी बात रखी।

युवाओं को रचनात्मकता से जोड़ने का होगा प्रयास

युवाओं को रचनात्मकता से जोड़ने के लिए स्क्रिप्ट राइटिंग, स्लोगन राइटिंग, फोटोग्राफी, बेस्ट डिजाइन डिस्प्ले, पोस्टर और स्कैच मेकिंग कॉम्पिटिशन होंगे। संयोजक श्वेता चौधरी ने बताया कि फेस्ट में रंगमंच, शास्त्रीय और लोक विधाओं से जुड़ी प्रस्तुतियां होंगी। रचनात्मक रंगों से सराबोर पिंक फेस्ट में भवानी शंकर शर्मा और प्रो. चिन्मय मेहता मेंटर की भूमिका निभा रहे हैं।

एकता से ही सामाजिक सौहार्द

बेधड़क. जयपुर। डॉक्यूमेंट्री फिल्म अनेकता में एकता का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में देश में एकता और शांति को बनाए रखने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर लेखक-निर्देशक धर्मेंद्र उपाध्य का संस्था की ओर से शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। उपाध्याय ने बताया कि राजस्थान के तीर्थराज पुष्कर और अजमेर दरगाह को केंद्र में रखकर बनाई गई फिल्म को सामाजिक-समानता और भाईचारे बढ़ावा देने के उद्देशय से बनाया गया है। फिल्म का छायांकन आशुतोष निगम और वॉइस ओवर आर जे सचिन ने किया है। इस मौके पर इकराम राजस्थानी ने शेरो-शायरी से समां बांधा। कार्यक्रम के अंत में टेगोर ग्रुप की मुख्य कार्यकारी अधिकारी रुचिरा राठौर ने धन्यवाद ज्ञापित दिया।

पोलो कप का रोमांच आज

बेधड़क. जयपुर। राजस्थान पोलो क्लब में शनिवार को लेडीज पोलो कप-2024 का आयोजन किया जाएगा। मैच तीन टीमों के बीच होगा, जिसमें टीम यूएसपीए, टीम पीडीकेएफ और टीम आरपीसी शामिल हैं। टीम यूएसपीए का नेतृत्व जयपुर के सवाई पद्मनाभ सिंह करेंगे। वहीं, टीम पीडीकेएफ कुमारी विजयश्री शक्तावत जगत के नेतृत्व में खेला जाएगा।

गुलाल होली खेलने की अपील

बेधड़क. जयपुर। लोहार्गल धाम के पीठाधीश्वर महंत अवधेशाचार्य महाराज का बापू नगर में मालवीय नगर विधायक कालीचरण सर्राफ ने माला और केसरिया दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत किया। अवेधाशाचार्य ने धुलण्डी पर एक दिन के लिए शराब पर प्रतिबंध रखने की मांग की। उन्होंने बताया कि लोग नशा नहीं करें। रंगों की बजाय गुलाल या पुष्प से होली खेले। उन्होंने 17 फरवरी को लोहार्गल धाम में भगवान सूर्यनारायण की साक्षी में मनाए जाने वाले फागोत्सव में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया। उन्होंने बताया कि भगवान सूर्य की आलौकिक झांकी सजाने के बाद श्रद्धालु एक-दूसरे को गुलाल लगाएंगे। शाम को भंडारा होगा। सराफ ने कहा कि मुख्यमंत्री से गुजारिश करेंगे जनता को इस धार्मिक स्थल के बारे में ज्यादा से ज्यादा पता चले। इसलिए वहां का विकास किया जाना चाहिए। इस मौके पर पूर्व पार्षद श्वेता शर्मा, महावीर उपाध्याय, अजय दीक्षित सहित अन्य मौजूद थे।

City इवेंट्स

पर्यावरण प्रेमियों ने की 11 दिन सफाई

विद्याधर नगर में पापड़ वाले हनुमान परिसर के बाहर व पीछे की ओर जंगल में टीम के लोगों ने काम करते हुए सैकड़ों कट्टों में कचरा उठाकर जंगल को पूरी तरह से साफ करने की कोशिश की। इस दौरान सभी ने जयपुराइट्स को शहर को साफ रखने के साथ पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पोस्टर लेकर अपनी बात रखी और 11 दिनों तक हुए सफाई कार्य को भी दर्शाया।

डॉ. दिनेश को विजिटिंग फैलोशिप

बेधड़क. जयपुर। डॉ. दिनेश कुमार को विश्व की प्रसिद्ध न्यूक्लियर रिसर्च लैबोरेट्री सर्न की ओर से विजिटिंग फैलोशिप दी गई है। डॉ. दिनेश हाई एनर्जी फिजिक्स के क्षेत्र में रिसर्च का कार्य कर रहे हैं। उनको इस विजिट के दौरान सर्न द्वारा न्यूक्लियर रिसर्च के क्षेत्र में की जा रही नवीनतम रिसर्च के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करने का मौका मिलेगा।

सिंधी शहनाई से रिझाएंगे गजानन

बेधड़क. जयपुर। चेटीचंड सिंधी मेला समिति महानगर जयपुर की ओर से चेटीचंड कार्यक्रमों की कड़ी में श्रीगणेश पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। समिति अध्यक्ष अशोक सेवानी ने बताया कि रविवार सुबह 8 बजे मोती डूंगरी स्थित श्रीगणेश मंदिर में विघ्नहर्ता को मोदक, पुष्प और दुर्वा अर्पित कर चेटीचंड कार्यक्रमों की सफलता की प्रार्थना की जाएगी। गजानन महाराज को सिंधी शहनाई और ढोल पर डांडिए खड़का कर रिझाया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक दिलीप पारवानी ने बताया कि विनायक पूजन के बाद वाहन रैली मालवीय नगर सेक्टर 2 स्थित श्रीझूलेलाल मंदिर पहुंचेगी। वहां वरुणावतार श्रीझूलेलाल का पूजन होगा। जल और ज्योति की आराधना होगी। पल्लव प्रार्थना कर कार्यक्रमों की सफलता की कामना की जाएगी।

टीवी सीरियल एक्ट्रेस की चौमूं में होगी शादी

चौमूं पैलेस में 'इश्कबाज-नागिन' सुरभि ने ठुमकों के संग ली एंट्री

बेधड़क | जयपुर

जयपुर और आस-पास शूटिंग के लिए तो कलाकार आते ही रहते हैं, लेकिन इस बार कलाकारों ने जयपुर के पास की लोकेशन को अपनी शादी के लिए चुना है। इसके लिए टीवी सीरियल इश्कबाज और नागिन फेम एक्ट्रेस सुरभि चंदना जयपुर के चौमूं पैलेस में शादी रचाएंगी। एक्ट्रेस की शादी की रस्में जयपुर में शुरू हो चुकी हैं। सुरभि अपने परिवार के साथ जयपुर पहुंच चुकी हैं। वहीं, उनके टीवी इंडस्ट्री के एक्टर-एक्टेस दोस्त भी शुक्रवार को चौमूं पैलेस पहुंचे और डांस व गानों के बीच एंट्री ली। सभी ने यहां लोक कलाकारों के साथ भी डांस किया। सुरभि की शादी बिजनेसमैन करण के साथ हो रही है, जिसके लिए उन्होंने चौमूं पैलेस को पसंद किया है। पैलेस इसलिए भी प्रसिद्द है कि यहां पर कई बॉलीवुड मूवी की शूटिंग हो चुकी है। इसमें सबसे ज्यादा फेमस और चर्चित मूवी भूल भुलैया रही तो सुष्मिता सेन स्टारर सीरीज आर्या का शूट भी यहां किया गया था। कई दिनों तक सुष्मिता सेन यहां रुकी भी थीं। साथ ही पैलेस में कई क्रिकेटर्स, बॉलीवुड-टीवी स्टार्स के साथ हॉलीवुड के कलाकारों ने भी विजिट की है।

इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हुई हिम्मत

103 साल के तुलसीराम शर्मा ने दिखाई गजब की जिंदादिली

बेधड़क | जयपुर

बॉलीवुड के सुपर स्टार सलमान खान अपनी उम्र को लेकर हमेशा कहते हैं, कि ऐज इज जस्ट ए नंबर्स। जयपुर में इसे सच कर दिखाया है 103 साल के तुलसीराम शर्मा ने, जिन्होंने सेंचुरी पूरी करने के बाद भी हर्निया का सफल ऑपरेशन कराया और वह इतिहास में नाम दर्ज करा लिया।

उन्हें जयपुर आकर रिकॉर्ड बुक में शामिल करते हुए सम्मानित किया गया। इटर्नल हॉस्पिटल में हुए इस अनोखे काम को अब इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज कर लिया गया है। इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की अथॉरिटी ने केस को सफलतापूर्वक करने वाले सीनियर जनरल सर्जन डॉ. डीएस मलिक और उनकी टीम को रिकॉर्ड दर्ज करने का सर्टिफिकेट देते हुए सम्मानित किया। को-चेयरपर्सन मंजू शर्मा ने बताया कि 103 साल की उम्र में हर्निया का ऑपरेशन कराने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति तुलसीराम शर्मा हैं। इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स देने वाले डॉ. पुष्प राज मुकीम ने कहा कि हमने पाया कि 103 साल की उम्र में हर्निया का ऑपरेशन कराने वाले तुलसीराम शर्मा इकलौते व्यक्ति हैं। इसीलिए हमने इस केस को दर्ज किया।

टॉक शो अनूप सोनी, अतुल सत्य, मोनिशा ने एक्टर-डायरेक्टर कनफ्लिक्ट पर बात की

रंगमंच की दुनिया में मंच पर उजाला और सब जगह अंधेरा

बेधड़क | जयपुर

रंग राजस्थान कार्यक्रम में रंग बचपन के तहत विक्रम श्रीधर का स्टोरी सेशन हुआ। इस दौरान उन्होंने बच्चों को खूब हंसाया और कहानी के सहारे अच्छी बातें समझाई। वहीं, अतुल सत्य कोशिक की मास्टर क्लास से हुई, जिसमें उन्होंने कहा कि रंगमंच की दुनिया जादुई दुनिया होती है। यहां एक मंच पर उजाला और बाकी संसार में अंधेरा होता है। इस दौरान अनूप सोनी, मोनिशा कातियल, विनय जैन का टॉक शो खास रहा। टॉक शो के दौरान उन्होंने एक्टर-डायरेक्टर कनफ्लिक्ट पर बात की।

थिएटर और लोक कलाकारों ने बांधा समां

दिन का पहला नाटक करवट जवाहर कला केंद्र के कृष्णायन में हुआ, जिसका निर्देशन करण सिंह गहलोत ने किया। नाटक एक संकलन नाटक रहा, जिसमें विभिन्न परस्पर जुड़ी कहानियां शामिल थीं। यह नाटक, हॉरर, रोमांस और हास्य शैली का मिश्रण था और मानव व्यवहार और भावनाओं के बारे में बताता रहा। इसके बाद गंगापुर सिटी के मीनावाटी के लोक कलाकारों का कार्यक्रम हुआ।

विवाह के रहस्य को सुलझाने का प्रयास

दिन का दूसरा नाटक बागड़ बिल्ला हुआ, जिसका निर्देशन अभिषेक गोस्वामी ने किया। बागड़ बिल्ला बताता है कि एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती धारावी में दिहाड़ी मजदूरों का एक समूह एक छोटे से किराए के घर में एक साथ रहता है। वहीं दिन का आखिरी नाटक राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में हुआ। नाटक का निर्देशन अतुल सत्य कोशिक ने किया और नाटक में अभिनय अनूप सोनी, मोनिशा कातियल, विनय जैन ने किया। दिखाया गया कि विवाह एक रहस्य है जो सुलझाने के हर प्रयास के साथ और गहरा होता जा रहा है।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क

जयपुर, शनिवार, 02 मार्च, 2024

10

ब्रह्माण्ड की सभी शक्तियां पहले से ही हमारी हैं। यह हम ही हैं, जो अपनी आंखों पर हाथ रख लेते हैं और रोते हैं कि यहां अंधेरा है।

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

चांद पर उतरते ही पलट गया अमेरिकी स्पेसक्राफ्ट

लंबी नींद में सो गया 'ओडी'

एजेंसी | केप कैनावेरल

अमेरिका का एक अंतरिक्ष विमान चांद की सतह पर एक सप्ताह तक टहलने के बाद लंबी नींद सो गया है। अमेरिका की प्राइवेट कंपनी इंट्यूएटिव मशीन्स के इस ओडीसियस नामक स्पेसक्राफ्ट को चंद्रमा पर उतरने के लिए एक सप्ताह पहले ही लॉन्च किया गया था। इसे 'ऑडी' के नाम से भी जाना जाता था। चांद पर इस यान की लैंडिंग भारत के चंद्रयान-3 की तरह नहीं हुई और उतरते ही इस अमेरिकी अंतरिक्ष यान का एक पैर टूट गया और यह चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पलट गया। सौर ऊर्जा और संचार से वंचित होने के बाद भी कंपनी ने इसे खड़ा करने की कई कोशिशें की, लेकिन यह एक बार गिरा तो उठ नहीं पाया। अंत में कंपनी ने ओडीसियस से एक आखिरी तस्वीर प्राप्त की और उसके कंप्यूटर और बिजली प्रणालियों को स्टैंडबाय पर रख दिया है। गौरतलब है कि 22 फरवरी को ओडीसियस के चंद्रमा पर उतरने के बाद ह्यूस्टन स्थित इंट्यूएटिव मशीन्स बिना दुर्घटनाग्रस्त हुए चंद्रमा पर अंतरिक्ष यान उतारने वाला पहली निजी कंपनी बन गई। 1960 के दशक के बाद से केवल पांच देशों ने यह उपलब्धि हासिल की है, जिसमें जापान भी शामिल है, जिसने पिछले महीने लैंडिंग की थी।

अंतिम चरणों में खत्म हुई बैटरी

कंपनी के मुताबिक अगर लैंडर काम करने लायक रहता है तो यह अगले दो से तीन सप्ताह में जाग सकता है। इन्टुएटिव मशीन्स के प्रवक्ता जोश मार्शल ने कहा कि इन अंतिम चरणों ने लैंडर की बैटरी खत्म कर दी और ओडीसियस को "लंबी नींद में सुला दिया।" कंपनी ने एक्स पर इसके बाद लिखा शुभ रात्रि, ओडी। हमें आपसे फिर से मिलने की उम्मीद है। बता दें कि चांद पर लैंड करने से पहले ली गई तस्वीर में चंद्रमा की उभरी हुई सतह पर लैंडर के निचले हिस्से को दिखाया गया है, जिसमें एक छोटी अर्धचंद्राकार पृथ्वी और पृष्ठभूमि में एक छोटा सूरज है। मूल रूप से लैंडर का चंद्रमा पर लगभग एक सप्ताह तक रहने का इरादा था।

मुख्यमंत्री बने अली अमीन गंडापुर

खैबर पख्तूनख्वा में बनी 'इमरान' सरकार

एजेंसी | पेशावर

पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) समर्थित उम्मीदवार अली अमीन गंडापुर को शुक्रवार को अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत का मुख्यमंत्री चुना गया। इससे पहले नवनिर्वाचित स्पीकर बाबर सलीम स्वाति ने गुरुवार को खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा अध्यक्ष के रूप में शपथ ली थी, जिन्होंने विधानसभा सत्र की अध्यक्षता की। 106 सदस्यीय विधानसभा में पीटीआई समर्थित उम्मीदवार गंडापुर ने अपने पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) प्रतिद्वंद्वी डॉ. इबादुल्ला खान के खिलाफ 90 वोट हासिल किए। वहीं, इबादुल्ला खान सिर्फ 16 वोट हासिल करने में कामयाब रहे। गौरतलब है कि खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा में नवनिर्वाचित विधायकों ने बुधवार को शपथ ली थी। अली अमीन गंडापुर के मुख्यमंत्री चुने जाने के बाद पीटीआई ने लगातार तीसरी बार खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सरकार बनाई है।

113 सदस्यों ने ली थी शपथ

खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा के निवर्तमान अध्यक्ष मुश्ताक गनी ने विधानसभा के लिए चुने गए 113 प्रांतीय सदस्यों को शपथ दिलाई थी। गौरतलब है कि खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा में कुल 145 सदस्य हैं, जिनमें 10 महिलाएं और आरक्षित सीटों पर चुने गए चार अल्पसंख्यक शामिल सदस्य शामिल हैं। इससे पहले पीटीआई प्रमुख ने अली अमीन गंडापुर को पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार और बाबर सलीम स्वाति को विधानसभा अध्यक्ष के रूप में नामित किया था।

ईरान में संसदीय चुनाव

अयातुल्ला अली खामनेई ने किया मतदान

एजेंसी | ईरान

हिजाब की अनिवार्यता संबंधी कानूनों के विरोध में 2022 में हुए व्यापक प्रदर्शनों के बाद ईरान के पहले संसदीय चुनावों के लिए शुक्रवार को मतदान हुआ। ईरान के सर्वोच्च नेता 84 वर्षीय अयातुल्ला अली खामनेई चुनाव के लिए सबसे पहले वोट डालने वालों में शामिल रहे। इस मतदान के जरिए देश की 'असेंबली ऑफ एक्सपर्ट' के सदस्यों का भी चुनाव होगा। खामनेई के पद से हटने या उनके निधन की स्थिति में नए सर्वोच्च नेता के चयन की जिम्मेदारी 'असेंबली ऑफ एक्सपर्ट' की होगी। खामनेई ने तेहरान में पत्रकारों की भीड़ के सामने मतदान किया। खामनेई ने कहा कि ईरान के मित्र और शत्रु दोनों ही मतदान पर नजर रख रहे हैं। देश की 290 सदस्यीय संसद की सदस्यता के लिए लगभग 15 हजार उम्मीदवार मैदान में हैं। ईरान की संसद को औपचारिक रूप से 'इस्लामिक कंसल्टेटिव असेंबली' के रूप में जाना जाता है।

भारत में नहीं आएगा नजर

इस साल का पहला चंद्र ग्रहण 25 को

एजेंसी | वाशिंगटन

चंद्र ग्रहण दुनियाभर के उन लोगों के लिए एक खास घटना है, जिनकी खगोल विज्ञान में दिलचस्पी है। ऐसे में बड़ी संख्या में चंद्र ग्रहण का लोगों को इंतजार रहता है। इस साल पृथ्वी दो चंद्र ग्रहणों का अनुभव करेगी। इसमें पहला ग्रहण इसी महीने लगने जा रहा है। 25 मार्च को इस साल का पहला चंद्रग्रहण होगा और उसके बाद 17-18 सितंबर को दूसरा चंद्र ग्रहण देखने को मिलेगा।

इस महीने लगने जा रहा चंद्र ग्रहण एक उपछाया चंद्र ग्रहण है। यह चंद्र ग्रहण 25 मार्च को सुबह 10 बजकर 23 मिनट से शुरू होगा, जो दोपहर 3 बजकर 2 मिनट तक रहेगा। इस साल होली पर यानी 25 मार्च को लगने वाला चंद्र ग्रहण भारत में नहीं दिखेगा। 25 मार्च को लगने वाले पहले चंद्र ग्रहण को नार्वे, स्विट्जरलैंड, जापान, रूस, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, इंग्लैंड, स्पेन, पुर्तगाल, हॉलैंड, बेल्जियम, इटली, जर्मनी, फ्रांस, अमेरिका, अफ्रीका, प्रशांत, अटलांटिक, आर्कटिक और अंटार्कटिका में देखा जा सकेगा। चंद्र ग्रहण दुनिया भर में स्काईवॉचर्स के लिए एक लोकप्रिय घटना होती है क्योंकि उन्हें इसका आनंद लेने के लिए किसी विशेष उपकरण की आवश्यकता नहीं है। सूर्य ग्रहण देखने के लिए विशेषज्ञ कई तरह की एहतियात बरतने की सलाह देते हैं लेकिन चंद्र ग्रहण के साथ ऐसा नहीं है।

क्यों होता है चंद्र ग्रहण?

चंद्र ग्रहण एक खगोलीय घटना है। जिस तरह पृथ्वी सूर्य के चक्कर लगाती है, उसी तरह चंद्रमा एक उपग्रह है, जो पृथ्वी के चक्कर लगाता है। जब ऐसी स्थिति बन जाती है कि पृथ्वी, सूर्य और चंद्रमा के बीच आ जाती है और इससे सूर्य का प्रकाश चंद्रमा तक नहीं पहुंच पाता तो पृथ्वी की छाया चंद्रमा पर पड़ती है। इस घटना को चंद्र ग्रहण कहा जाता है। चंद्र ग्रहण की घटना तभी होती है, जब सूर्य, पृथ्वी और चंद्रमा एक सीध में हों। ऐसा ज्यादातर पूर्णिमा के दिन होता है।

ऑस्ट्रेलियाई जंगल में भटके दो जर्मन पर्यटक

गूगल मैप्स ने पहुंचाया मौत के मुंह में

एजेंसी | ऑस्ट्रेलिया

गूगल मैप्स का इस्तेमाल करने के कारण रास्ता भटकने के मामले आए दिन सामने आते हैं लेकिन जर्मन पर्यटकों को गूगल मैप का इस्तेमाल करना इतना भारी पड़ा कि उनकी जान पर बन आई। नाइन न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार, दो जर्मन पर्यटक, फिलिप मैयर और मार्सेल शोएने ने गूगल मैप्स का इस्तेमाल कर रहे थे, जिसके बाद दोनों ऑस्ट्रेलियाई जंगल में खो गए। वे दोनों केन्र्स से बामागा तक यात्रा कर रहे थे और एक सुदूर गंदगी वाले रास्ते पर जा पहुँचे जो उन्हें एक बंद राष्ट्रीय उद्यान में ले गया।

समाचार आउटलेट के अनुसार, उनकी कार सुनसान ट्रैक पर 37 मील चलने के बाद कीचड़ में फंस गई। कोई फोन सेवा नहीं होने और सीमित आपूर्ति के कारण, उन्हें सुरक्षित जगह तक पहुंचने के लिए अपने वाहन को भी छोड़ना पड़ा और एक सप्ताह से अधिक समय तक पैदल यात्रा करने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस यात्रा के दौरान उन्हें तूफान, तेज गर्मी और बदलते मौसम की स्थिति का भी सामना करना पड़ा। यहां तक कि उन्हें मगरमच्छों से भरी नदी का भी सामना करना पड़ा। मैयर ने उल्लेख किया कि जिस अंतिम खाड़ी को उन्होंने पार किया था उसमें एक मगरमच्छ था। गूगल ने भी इस पर स्पष्टीकरण दिया है।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl